Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 157
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
ग्वालियर ,06 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

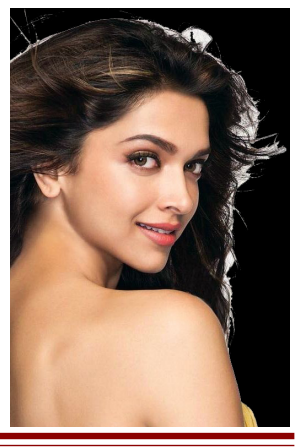

3 यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार की चचाओं के बीच पीएम मोदी से मिले सीएम

4 सोमनाथः अटूट आस्था के 1000 वर्ष

5 अपने बर्थडे पर दीपिका ने शुरू की नई पहल

सीएम योगी का बड़ा ऐलान

सिपाही भर्ती में अभ्यर्थियों को मिलेगी उम्र में 3 साल की छूट

लाखों युवाओं को होगा लाभ

युवाओं के हित में योगी आदित्यनाथ सरकार

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही भर्ती से संबंधित बड़ा फैसला लिया है। सीएम योगी ने भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा में तीन साल की छूट देनी की घोषणी की है, जिससे भर्ती में शामिल होने वाले हजारों अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी। वहीं, सीएम योगी के इस फैसले के बाद, भर्ती में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को अब अपनी आयु से संबंधित नियमों को लेकर कोई भी परेशानी नहीं होगी। सीएम योगी के इस फैसले के बाद, उत्तर प्रदेश पुलिस और जेल विभाग में 32,679 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। सीएम योगी का यह कदम उन हजारों अभ्यर्थियों के लिए राहत देने वाला साबित होगा जो पहले बढ़ती उम्र सीमा में अटके हुए थे। शासनादेश जारी होने के बाद अभ यह सभी वर्गों के हित में महत्वपूर्ण फैसला साबित होगा। बता दें कि, इस निर्णय में आरक्षी, , विशेष सुरक्षा बल (एसएसएफ) के पदों को शामिल किया गया है। इसके साथ ही महिला बटालियन और जेल वार्डर के पदों के लिए भी अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इस छूट को सभी वर्गों के लिए लागू करने का आदेश दिया है, जिससे प्रत्येक वर्ग के युवा अपनी उम्मीदों को पंख लगा सकेंगे। सीधी भर्ती-2025 के अंतर्गत कुल 32,679 पदों को भरे जाने के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। शासनादेश के अनुसार आरक्षी नागरिक पुलिस (पुरुष,महिला), आरक्षी पीएसी,सशस्त्र पुलिस (पुरुष), आरक्षी विशेष सुरक्षा बल (पुरुष), महिला बटालियन हेतु महिला आरक्षी, आरक्षी घुड़सवार पुलिस (पुरुष) तथा जेल वार्डर (पुरुष एवं महिला) पदों पर भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को यह आयु शिथिलीकरण एक बार के लिए प्रदान किया जाएगा। सरकार द्वारा यह निर्णय उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण) नियमावली-1992 के नियम-3 के आलोक में लिया गया है। यह फैसला 31 दिसंबर 2025 को जारी भर्ती विज्ञप्ति के अनुक्रम में 5 जनवरी 2026 को जारी शासनादेश के माध्यम से लागू किया गया है, जिससे बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा जो आयु सीमा के कारण अब तक भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो रहे थे। योगी सरकार का यह कदम साफ संदेश देता है ।

एसआईआर के दौरान अमानवीय आचरण के खिलाफ अदालत का रुख करूंगी: ममता

पश्चिम बंगाल। बनर्जी ने आरोप लगाया कि बिना वैध कारणों के मतदाता सूची से नामों को मनमाने ढंग से हटाया जा रहा है, जिससे विधानसभा चुनावों से पहले एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया डर पैदा करने वाली प्रक्रिया बन गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान किए गए अमानवीय आचरण के खिलाफ अदालत का रुख करेंगी। दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से जुड़े भय, उत्पीड़न और प्रशासनिक मनमानी के कारण कई लोगों की मौत हुई है और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। उन्होंने कहा, हम एसआईआर के कारण हुए अमानवीय व्यवहार और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत के खिलाफ अदालत में कल याचिका दायर करेंगे। उन्होंने कहा, यदि अनुमति मिली तो मैं भी उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर एक आम नागरिक के रूप में इस अमानवीय प्रक्रिया के खिलाफ आवाज उठाऊंगी। मैं एक प्रशिक्षित वकील भी हूं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि बिना वैध कारणों के मतदाता सूची से नामों को मनमाने ढंग से हटाया जा रहा है, जिससे विधानसभा चुनावों से पहले एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया डर पैदा करने वाली प्रक्रिया बन गई है। उन्होंने दावा किया कि गंभीर रोग से ग्रसित लोगों और बुजुर्ग नागरिकों को यह साबित करने के लिए लंबी कतारों में खड़े होने के लिए मजबूर किया जा रहा कि वे वैध मतदाता हैं। मुख्यमंत्री ने सवाल किया, अगर कोई भाजपा नेताओं के बूढ़े माता-पिता को पहचान साबित करने के लिए लाइन में खड़ा कर दे, तो उन्हें कैसा लगेगा? जब से एसआईआर शुरू हुआ है, डर से कई लोगों की मौत हो चुकी है और कई अन्य अस्पताल में भर्ती हैं।

सार संक्षेप

शादी के बाद खुला पति के गंजा होने का राज, महिला ने दर्ज कराया मुकदमा

नोएडा (एजेंसी)। के बिसरख क्षेत्र में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने शादी के बाद पति के गंजा होने की बात पता चलने पर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, महिला ने पति के अलावा ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके आधार पर पति संयम जैन, ससुर संजय जैन, सास सुषमा जैन, जीजा कुणाल जैन और मामा हेमंत जैन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि गौर सिटी एवेन्यू-एक निवासी लविका गुप्ता ने रविवार को शिकायत दर्ज कराई जिसमें बताया कि उसकी शादी 16 जनवरी 2024 को दिल्ली के राणा प्रताप बाग निवासी संयम जैन से हुई थी। उन्होंने बताया कि महिला ने आरोप लगाया है कि शादी से पहले कई अहम तथ्यों को उनसे छिपाया गया। सिंह ने कहा, महिला का आरोप है कि उनके पति पूरी तरह गंजे हैं और नकली हेयर पैच (कृत्रिम बाल) का इस्तेमाल करते हैं, जबकि विवाह के समय बताया गया था कि उनके घने बाल हैं। पुलिस के मुताबिक, महिला ने पति की शैक्षिक योग्यता और आय के बारे में भी जानकारी छिपाने का आरोप लगाया है। शिकायत में कहा गया है कि शादी के बाद से ही पति उसे ब्लैकमेल करता रहा और मोबाइल फोन से निजी तस्वीरें निकालकर उन्हें सार्वजनिक करने की धमकी देता था।

किशोरी का पोस्टमार्टम कराने आए दारोगा की दिल का दौरा पड़ने से मौत

बदायूं (एजेंसी)। बदायूं के उझानी क्षेत्र में एक दारोगा की सोमवार को पोस्टमार्टम हाउस परिसर में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक देवेन्द्र सिंह ने यहां बताया कि दारोगा कुंवरपाल (55) एक किशोरी के शव का पोस्टमार्टम कराने सिविल लाइंस स्थित पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे थे और इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गयी एवं सीने में तेज दर्द हुआ। सिंह के अनुसार हालत बिगड़ने पर कुंवरपाल को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि कुंवरपाल मूल रूप से बुलंदशहर जनपद के नरौरा के रहने वाले थे और संभल जनपद के चंदौसी में रह रहे थे।

दिल्ली ब्लास्ट मामला :

यासिर अहमद की हिरासत बढ़ी, कोर्ट ने 16 जनवरी तक हिरासत में भेजा

नईदिल्ली (एजेंसी)। लाल किला विस्फोट मामले के आरोपी यासिर अहमद डार को एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को 11 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। डार को अदालत में पेश किया गया और उसके बाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने उसे 16 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत ने पिछले साल 26 दिसंबर को डार की एनआईए हिरासत 10 दिन के लिए बढ़ा दी थी। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 18 दिसंबर को मामले में नौवें आरोपी डार को गिरफ्तार किया था। एनआईए के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर का रहने वाला डार आत्मघाती हमलावर उमर-उन-नबी का करीबी था, जो 10 नवंबर को लाल किले के बाहर विस्फोटकों से भरी कार चला रहा था। एनआईए ने कहा कि कथित तौर पर डार ने विस्फोट की साजिश रचने में सक्रिय भूमिका निभाई, जिसमें 15 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। इस मामले में अब तक डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ. अदील राथेर, डॉ. शाहीन सईद समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। यह धमाका एक हुंडई आई 20 कार में हुआ था, जिसमें आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी ड्राइविंग सीट पर था। एनआईए की जांच से यह मामला एक बड़े आतंकी नेटवर्क से जुड़ा लग रहा है, जिसमें फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े कई डॉक्टर शामिल हैं। एजेंसी का मानना है कि यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों से लिंक है। अब तक कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें डॉ. मुजम्मिल शकील गनी, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान और अन्य शामिल हैं। केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर एनआईए पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी है। जांच में विदेशी हैंडलरों के लिंक भी सामने आ रहे हैं। यह गिरफ्तारी मामले में बड़ा कदम मानी जा रही है और आगे और खुलासे होने की उम्मीद है। इस हमले ने राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं और जांच तेजी से आगे बढ़ रही है।

दिल्ली को दंगों की आग में झोंकने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में कार्यकर्ताओं-- उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का सोमवार को स्वागत करते हुए कहा कि शहर को दंगों की आग में धकेलने के लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले के आरोपियों-- उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया लेकिन भागीदारी के स्तर का हवाला देते हुए पांच अन्य को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि खालिद और इमाम के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है। गुप्ता ने यहां पीटीआई-वीडियो से कहा, हम अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं। अदालत ने दिल्ली दंगों के मामले में आरोपियों-- शरजील इमाम और उमर खालिद की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। दिल्ली को दंगों की आग में झोंकने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दंगों में शामिल लोगों का समर्थन करने वाली राजनीतिक पार्टियों के लिए कड़ा संदेश जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे अपराध में भागीदार थीं। दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के फैसले ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि दंगे एक सुनियोजित साजिश का नतीजा थे। उन्होंने कहा, दिल्ली की जनता के खिलाफ जानबूझकर साजिश रची गई थी। आज के फैसले ने एक बार फिर इसे साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से स्पष्ट संदेश मिलता है कि ऐसी साजिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने कहा कि अदालत का यह आदेश देश के खिलाफ काम करने वालों के लिए एक मिसाल बनेगा। सूद ने कहा, सरकार का विरोध करना गलत नहीं है, लेकिन देश का विरोध करना अलग बात है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग देश के खिलाफ काम करने के आरोपियों के प्रति सहानुभूति दिखाते हैं। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दंगाइयों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कड़ा संदेश देने के लिए उच्चतम न्यायालय का आभार व्यक्त किया। फरवरी 2020 में उत्तरपूर्वी दिल्ली में हुए दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

नमस्ते ट्रंप, हाउडी मोदी का भी नहीं हुआ कोई फायदा:जयराम रमेश

कांग्रेस का पीएम मोदी पर कटाक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान को लेकर सोमवार को सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नमस्ते ट्रंप, हाउडी मोदी जैसे आयोजन तथा जबरन गले मिलने और सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से ट्रंप की तारीफ किए जाने का कोई खास फायदा नहीं हुआ। मुख्य विपक्षी दल ने यह टिप्पणी ट्रंप के उस बयान के बाद की है, जिसमें उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जानते हैं कि वह भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद से खुश नहीं हैं और अमेरिका भारत पर

बहुत जल्दी शुल्क बढ़ा सकता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, व्हाइट हाउस में बैठे प्रधानमंत्री के अच्छे दोस्त भारत के प्रति कभी गरम, कभी नरम वाला रवैया जारी रखे हुए हैं। उन्होंने एक बार फिर धमकी दी है कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करता, तो अमेरिका भारत से होने वाले आयात पर अधिक शुल्क लगाएगा। उन्होंने कटाक्ष किया, नमस्ते ट्रंप, हाउडी मोदी जैसे सभी आयोजन, (जबरन) गले लगना और अमेरिकी राष्ट्रपति की तारीफ में किए गए सभी सोशल मीडिया पोस्ट का कोई खास असर नहीं पड़ा। बीते रविवार को फ्लोरिडा से वॉशिंगटन डीसी जाते समय एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, वे (भारत) मूल रूप से मुझे खुश करना चाहते थे। मोदी बहुत अच्छे इंसान हैं, वह अच्छे व्यक्ति हैं। उन्हें पता था कि मैं खुश नहीं था और मुझे खुश करना जरूरी था। वे व्यापार करते हैं और हम उन पर बहुत जल्दी टैरिफ बढ़ा सकते हैं। यह उनके लिए बहुत बुरा होगा। ट्रंप की यह टिप्पणी अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम के बयान के बाद आई, जो एयर फोर्स वन में उनके साथ मौजूद थे।

राजस्थान की भाजपा सरकार ने जनहितैषी योजनाओं को कमजोर किया: गहलोत

राजस्थान (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बच्ची के इलाज में कथित देरी को लेकर सोमवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा और उस पर जनहितैषी योजनाओं का कमजोर करने का आरोप लगाया। गहलोत ने इस घटना से जुड़ी खबर साझा करते हुए एक्स पर लिखा, मंचों से राष्ट्रीय एकता और एक भारत-श्रेष्ठ भारत की बड़ी-बड़ी बातें करने वाली भाजपा सरकार का असली चेहरा जयपुर के एसएमएस अस्पताल की

घटना ने उजागर कर दिया है। उन्होंने लिखा, जयपुर में करंट से झुलसी मध्यप्रदेश की एक बालिका को एसएमएस अस्पताल में केवल इसलिए घंटों इलाज नहीं मिला क्योंकि उसके पास आयुष्मान कार्ड नहीं था। यह अमानवीयता की पराकाष्ठा है। क्या इलाज की आवश्यकता में भी राज्य देखा जाएगा? पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी कांग्रेस सरकार ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी जीवन रक्षा योजना इसलिए लागू की थी ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना में घायल व्यक्ति को, चाहे वह किसी भी राज्य का निवासी हो, बिना किसी कार्ड या पैसे के 72 घंटे तक पूर्णतः निःशुल्क आपातकालीन इलाज मिल सके।

गडकरी की अध्यक्षता में हुई नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स की रिव्यू मीटिंग

सीएम धामी ने लिया हिस्सा

देहरादून (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में हुई नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स की रिव्यू मीटिंग में सीएम धामी ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली के भारत मंडपम में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में हुई नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स की रिव्यू मीटिंग में हिस्सा लिया।

इस दौरान, राज्य में सड़क कनेक्टिविटी के क्षेत्र में हुई अभूतपूर्व प्रगति को दिखाने वाला एक डिटेल वीडियो प्रेजेंटेशन भी पेश किया गया। सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड में सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी गई है। चार धाम यात्रा को आसान, सुलभ और सुरक्षित बनाने के लिए, चार धाम हाईवे प्रोजेक्ट के तहत 12,769 करोड़ रुपये की लागत से प्रमुख नेशनल हाईवे को अपग्रेड किया जा रहा है।

भागीरथपुरा में डायरिया से 17वीं मौत का दावा, सरकारी आकड़ों के बीच बढ़ रही मौतों की संख्या

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में सोमवार को एक व्यक्ति ने दावा किया कि शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप में उसके 69 वर्षीय रिश्तेदार की मौत हो गई। इस मामले को मिलाकर स्थानीय लोगों ने उल्टी-दस्त के प्रकोप में अब तक कुल 17 लोगों की मौत का दावा किया है, जबकि प्रशासन ने छह मरीजों की मौत की पुष्टि की है। हालांकि, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने दो जनवरी को कहा था कि उन्हें इस प्रकोप में 10 मरीजों की मौत की जानकारी मिली है। स्थानीय निवासी अभिषेक शर्मा ने न्यूज एजेंसी को बताया

कि उनके रिश्तेदार ओमप्रकाश शर्मा (69) की एक निजी अस्पताल में डायरिया के इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पुलिस आरक्षक पद से सेवानिवृत्त ओमप्रकाश मूलतः धार के रहने वाले थे और अपने एक रिश्तेदार से मिलने इंदौर आए थे। अभिषेक ने दावा किया कि ओमप्रकाश कुछ दिन पहले भागीरथपुरा गए थे और वहां उन्होंने दूषित पानी पिया था। उन्होंने कहा, ओमप्रकाश में 30 दिसंबर को देर रात डायरिया के लक्षण उभरे थे। इसके बाद शरीर में पानी की गंभीर कमी के कारण उन्हें स्थानीय अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था। हालत और बिगड़ने पर उन्हें जीवनरक्षक तंत्र पर रखा गया था, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। डायरिया के प्रकोप से ओमप्रकाश की मौत के दावे पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने दावा किया कि यह मरीज भागीरथपुरा में 29 दिसंबर को उल्टी-दस्त का प्रकोप शुरू होने से पहले अस्पताल में भर्ती था। सीएमएचओ ने कहा, ओमप्रकाश को पहले से उच्च रक्तचाप और किडनी की बीमारियां थीं।

पुलिस निरीक्षक को रिश्वतखोरी के आरोप में निलंबित किया गया

ओडिशा (एजेंसी)। ओडिशा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई. बी. खुरानिया ने रिश्वत लेने के आरोप में एक दिन पहले गिरफ्तार किए गए पुलिस निरीक्षक को सोमवार को निलंबित कर दिया। यहां एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस निरीक्षक को रिश्वत लेने के आरोप में सतर्कता विभाग ने गिरफ्तार किया था। राज्य पुलिस मुख्यालय के एक आदेश के अनुसार, कटक शहर स्थित सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआर आरआई) थाने के प्रभारी निरीक्षक बिजय कुमार बारिक को निलंबित कर दिया गया है क्योंकि उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही पर विचार किया जा रहा है। बारिक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आदेश में कहा गया है, जब तक यह आदेश लागू रहेगा, तब तक वह (बारिक) भुवनेश्वर-कटक, भुवनेश्वर के पुलिस आयुक्त के अनुशासनात्मक नियंत्रण

सिगनल एवं दूर संचार प्रशिक्षण केन्द्र, गोरखपुर का निरीक्षण करते हुये महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर साथ में वरिष्ठ अधिकारी

गोरखपुर : महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर इंजीनियर श्री नरेश कुमार, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री संजय सिंघल, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर श्री एम.एल. मकवाना, मुख्य कार्मिक अधिकारी/आई.आर. श्री मनोज कुमार पांडेय एवं वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ 05 जनवरी, 2026 को बहुविषयक पद्धति प्रशिक्षण केन्द्र (एम.एस.टी.सी.), सिगनल एवं दूर संचार प्रशिक्षण केन्द्र (एस.टी.टी.सी.) एवं विद्युत प्रशिक्षण केन्द्र, गोरखपुर तथा छात्रावासों का गहनता से निरीक्षण किया। निरीक्षण के आरम्भ में मॉडल कक्ष में महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर को निदेशक/एम.एस.टी.सी. श्री अश्वनी कुमार दीक्षित ने बहुविषयक पद्धति प्रशिक्षण केन्द्र के बारे में मॉडल के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। महाप्रबन्धक ने कक्ष संख्या 7 के ज्योति कक्ष में स्मार्ट क्लास के माध्यम से प्रशिक्षुओं को दिये जा रहे प्रशिक्षण का अवलोकन किया। कम्प्यूटर लैब एवं प्रशिक्षण कक्ष में प्रशिक्षणार्थियों से बातचीत की। उन्होंने मॉडल रूम (इंजीनियरिंग) के कक्ष में रखे उपकरणों का निरीक्षण किया तथा उन उपकरणों की विस्तृत जानकारी प्रशिक्षुओं को देने हेतु सुझाव दिया। सिगनल एवं दूर संचार प्रशिक्षण केन्द्र, गोरखपुर के निरीक्षण के दौरान महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर ने इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग लैब (मेधा), पैनल लैब एवं ब्लॉक लैब में नील्स टोकेन बॉल यंत्र के बारे में प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर श्री एम.एल. मकवाना से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने एक्सल काउंटर लैब, डबल लाइन ब्लॉक पैनल यूजिंग विद यू.एफ.एस.बी.आई. लैब, पैनल रूम का निरीक्षण किया तथा व्याख्यान कक्ष एवं स्मार्ट क्लास में अनुदेशकों से वार्ता की। महाप्रबन्धक ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को केस स्टडी के बारे में भी बताया जाये। तत्पश्चात श्री बोरवणकर ने मॉडल ट्रैक का गहनता से निरीक्षण कर ग्लूड इंसुलेटेड रेल ज्वाइंट, एक्सल काउंटर इत्यादि के बारे में सम्बन्धित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। महाप्रबन्धक ने सिगनल एवं दूर संचार प्रशिक्षण केन्द्र, गोरखपुर के छात्रावास के मेस एवं कमरों का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। प्रशिक्षण केन्द्र में कवच के प्रशिक्षण के लिये व्यवस्था बनाई जा रही है, जिस पर कार्य चल रहा है; आने वाले समय में प्रशिक्षणार्थियों को कवच का प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। विद्युत प्रशिक्षण केन्द्र, गोरखपुर के निरीक्षण के दौरान महाप्रबन्धक ने प्रतिरूप कक्ष (पावर), प्रतिरूप कक्ष (कर्षण वितरण) एवं प्रतिरूप कक्ष (टी.एल./ए.सी.) का निरीक्षण किया। इसके उपरान्त महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर ने इंजीनियरिंग प्रशिक्षण केन्द्र, गोरखपुर के छात्रावास के कमरों, बहुविषयक पद्धति प्रशिक्षण केन्द्र के छात्रावास के मेस एवं कमरों तथा महादेवी वर्मा छात्रावास के कमरों का गहनता से निरीक्षण कर आवश्यक सुधार हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर महाप्रबन्धक ने क्लास रूम, प्रसाधन, छात्रावास एवं अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाने हेतु आवश्यक निर्देश दिये।

सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है।

गोरखपुरः रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 04 जनवरी, 2026 को अपराध आसूचना शाखा गोण्डा एवं रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बहराइच के संयुक्त निगरानी में रेलवे टिकटों के अवैध कारोबार में संलिप्त एक व्यक्ति को 02 अद्द यात्रा शेष रेल आरक्षित टिकट (01 तत्काल व 01 अद्द सामान्य) के साथ गिरफ्तार किया गया। 03 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 4 पर 06 वर्ष का एक लड़का तथा 04 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिलें। पूछताछ के उपरान्त उक्त दोनों बच्चों को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 03 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर एवं बचपन बचाओ संस्थान की संयुक्त निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 3 पर 12 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 01 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोण्डा को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 11 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोण्डा को सुपुर्द किया गया। 03 जनवरी, 2026 को गाड़ी सं0 22538 के स्कोर्ट को गाड़ी में यात्री का छूटा एक पिट्ठू बैग मिला, जिसे रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोण्डा पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त पिट्ठू बैग सुपुर्द किया गया। 01 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लखनऊ जं. को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15007 में महिला यात्री का छूटा पर्स मिला, जिसे लखनऊ जं. पोस्ट पर जमा कराया गया। महिला यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त पर्स सुपुर्द किया गया। 01 जनवरी, 2026 को गाड़ी सं0 15010 के रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट को यात्री का छूटा एक ट्राली बैग मिला, जिसे रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोण्डा पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त ट्राली बैग सुपुर्द किया गया।

गाँव की पाठशाला से रेल राष्ट्रनीति तक

IRTS अधिकारी श्री कृष्ण शुक्ल को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025**

गोरखपुर/बस्ती। जब प्रतिभा, परिश्रम और राष्ट्रसेवा एक साथ खड़े होते हैं, तो इतिहास रचता है। भारतीय रेल के ऐसे ही कर्मयोगी अधिकारी श्री कृष्ण शुक्ल (IRTS, 2007 बैच) को उनके असाधारण, निर्णायक और परिवर्तनकारी योगदान के लिए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जाएगा। वर्तमान में वे मुख्य फ्रेट ट्रांसपोर्ट मैनेजर (CFTM), पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर के पद पर कार्यरत हैं। जनपद बस्ती के ग्राम सेवरा (लाला छावनी) से निकलकर देश की रेल व्यवस्था की रीढ़ मजबूत करने तक की यह यात्रा संघर्ष, संकल्प और सफलता की मिसाल है। गाँव के प्राथमिक विद्यालय से शिक्षा शुरू करने वाले श्री शुक्ल ने हाईस्कूल अशोक इंटर कॉलेज, छावनी और इंटरमीडिएट पीपीआईसी वलीपुर, सुल्तानपुर से उत्तीर्ण कर यह सिद्ध किया कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। शैक्षणिक जगत में श्री शुक्ल ने लखनऊ विश्वविद्यालय में असाधारण कीर्तिमान स्थापित किए। बीएससी और एमएससी (केमिस्ट्री) प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण, बीएससी (मैथ्स ग्रुप) में विश्वविद्यालय टॉपर, और एमएससी में तीन गोल्ड मेडल—यह उपलब्धियाँ उनकी बौद्धिक धार और अकादमिक वर्चस्व का प्रमाण हैं।

विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में उन्होंने तीन बार उरक्क-खफ्क्र उत्तीर्ण कर राष्ट्रीय स्तर पर नया मानक स्थापित किया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी फेलोशिप के लिए ठउछ पुणे से आमंत्रण मिला, किंतु उसी समय वढरउ में चयन होने पर उन्होंने अनुसंधान नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष राष्ट्रसेवा को चुना और क्क्ष्ळर जॉइन किया। रेलवे सेवा में श्री शुक्ल का कार्यकाल परिणाम-केंद्रित और प्रभावशाली निर्णयों के लिए जाना जाता है। टुंडला में मंडल यातायात प्रबंधक, SrDSO आगरा, SrDOM झांसी एवं SrDOM प्रयागराज जैसे संवेदनशील पदों पर रहते हुए उन्होंने परिचालन सुधार, समयबद्धता, सुरक्षा और माल परिवहन में उल्लेखनीय परिवर्तन किए। वैश्विक अनुभव भी उनकी कार्यशैली का अहम हिस्सा है। चीन में हाई-स्पीड रेल ट्रेनिंग, सिंगापुर और कोरिया में छवळढ, तथा क्क्ट बैंगलोर से मैनेजमेंट में मास्टर्स—श्री शुक्ल को आधुनिक रेल प्रशासन का पूर्ण पैकेज बनाते हैं। शारीरिक दक्षता में भी वे किसी से पीछे नहीं हैं। तैराकी, एथलेटिक्स और बैडमिंटन में दक्ष श्री शुक्ल ने ठउफ में दो बार मिनी मैराथन में गोल्ड और बैडमिंटन डबल्स में गोल्ड जीतकर यह साबित किया कि अनुशासन उनका स्वभाव है। उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें GM अवार्ड (2013), विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार (2024) से सम्मानित किया जा चुका है। महाकुंभ 2025 में रेलवे प्रबंधन को सुचारु और ऐतिहासिक बनाने में उनकी निर्णायक भूमिका के लिए रेल मंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रशंसा की गई। अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 केवल सम्मान नहीं, बल्कि उस अधिकारी की मुहर है जिसने यह सिद्ध कर दिया कि गाँव की मिट्टी में पली प्रतिभा भी राष्ट्र की सबसे बड़ी प्रणाली को दिशा दे सकती है।

रेलवे प्रशासन द्वारा माघ मेला-2026 के अवसर पर परिचालनिक सुगमता को ध्यान में रखते हुये हेतु गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया गया है

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा माघ मेला-2026 के अवसर पर परिचालनिक सुगमता को ध्यान में रखते हुये हेतु गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया गया है। मार्ग परिवर्तन- दानापुर से 15 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 20934 दानापुर-उधना एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग पं० दीन दयाल उपाध्याय जं.-वाराणसी जं.-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जं.-मानिकपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग पं० दीन दयाल उपाध्याय जं.-मिजार्पुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव वाराणसी जं., ज्ञानपुर रोड एवं प्रयागराज जं. स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 00.45 बजे छूटेगी। उधना से 14 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 20933 उधना-दानापुर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज जं.-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी जं.-पं० दीन दयाल उपाध्याय जं. के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-मिजार्पुर-पं० दीन दयाल उपाध्याय जं. के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड एवं वाराणसी जं. स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 04.05 बजे छूटेगी। पटना से 06 जनवरी से 17 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 22670 पटना-एरणाकुलम एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग पं० दीन दयाल उपाध्याय जं.-वाराणसी जं.-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जं.-मानिकपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग पं० दीन दयाल उपाध्याय जं.-मिजार्पुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव वाराणसी जं., ज्ञानपुर रोड एवं प्रयागराज जं. स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 00.50 बजे छूटेगी। एरणाकुलम से 14 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 22669 एरणाकुलम-पटना एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज जं.-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी जं.-पं० दीन दयाल उपाध्याय जं. के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-मिजार्पुर-पं० दीन दयाल उपाध्याय जं. के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव प्रयागराज जं., प्रयागराज रामबाग, ज्ञानपुर रोड एवं वाराणसी जं. स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 21.50 बजे छूटेगी। छपरा से 13 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 07652 छपरा-जालना विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग औंड़िहार-वाराणसी जं.-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जं.-मानिकपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग औंड़िहार-जौनपुर-वाराणसी जं.-मिजार्पुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव बनारस, ज्ञानपुर रोड एवं प्रयागराज जं. स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 05.31 बजे छूटेगी। मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-मिजार्पुर-वाराणसी जं.-जौनपुर-औंड़िहार के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड एवं बनारस स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 21.50 बजे छूटेगी। पुणे से 16 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 22131 पुणे-बनारस एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज जं.-प्रयागराज रामबाग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-मिजार्पुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव प्रयागराज जं., प्रयागराज रामबाग एवं ज्ञानपुर रोड स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 16.15 बजे छूटेगी। बनारस से 07 जनवरी से 11 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 22132 बनारस-पुणे एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जं.-मानिकपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मिजार्पुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव ज्ञानपुर रोड, प्रयागराज रामबाग एवं प्रयागराज जं. स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 08.00 बजे छूटेगी। राँची से 07 जनवरी से 11 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 18609 राँची-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग पं० दीन दयाल उपाध्याय जं.-वाराणसी जं.-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जं.-मानिकपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग पं० दीन दयाल उपाध्याय जं.-मिजार्पुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव वाराणसी जं., ज्ञानपुर रोड एवं प्रयागराज जं. स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 10.35 बजे छूटेगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 13 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 18610 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-राँची एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज जं.-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी जं.-पं० दीन दयाल उपाध्याय जं. के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-मिजार्पुर-पं० दीन दयाल उपाध्याय जं. के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव प्रयागराज जं. एवं वाराणसी जं. स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 15.50 बजे छूटेगी। अहमदाबाद से 15 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 19421 अहमदाबाद-पटना एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज जं.-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी जं.-पं० दीन दयाल उपाध्याय जं. के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-मिजार्पुर-पं० दीन दयाल उपाध्याय जं. के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव प्रयागराज जं., प्रयागराज रामबाग, ज्ञानपुर रोड, वाराणसी जं. एवं काशी स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 20.05 बजे छूटेगी। पटना से 06 जनवरी से 17 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 19422 पटना-अहमदाबाद एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग पं० दीन दयाल उपाध्याय जं.-वाराणसी जं.-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जं.-मानिकपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग पं० दीन दयाल उपाध्याय जं.-मिजार्पुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव काशी, वाराणसी जं., ज्ञानपुर रोड, प्रयागराज रामबाग एवं प्रयागराज जं. स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 19.00 बजे छूटेगी। सिकंदराबाद से 16 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 12791 सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज जं.-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी जं.-पं० दीन दयाल उपाध्याय जं. के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-मिजार्पुर-पं० दीन दयाल उपाध्याय जं. के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव प्रयागराज जं., प्रयागराज रामबाग, ज्ञानपुर रोड, भुल्लनपुर एवं वाराणसी जं. स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 10.27 बजे छूटेगी। दानापुर से 17 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 12792 दानापुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग पं० दीन दयाल उपाध्याय जं.-वाराणसी जं.-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जं.-मानिकपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग पं० दीन दयाल उपाध्याय जं.-मिजार्पुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव वाराणसी जं., भुल्लनपुर, ज्ञानपुर रोड, प्रयागराज रामबाग एवं प्रयागराज जं. स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 20.20 बजे छूटेगी। दादर से 16 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 01025/01027 दादर-बलिया/गोरखपुर विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज जं.-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी जं.-औंड़िहार के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-मिजार्पुर-वाराणसी जं.-जौनपुर-औंड़िहार के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड एवं बनारस स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 18.35 बजे छूटेगी। बलिया से 17 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 01026/01028 बलिया/गोरखपुर-दादर विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग औंड़िहार-वाराणसी जं.-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जं.-मानिकपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग औंड़िहार-जौनपुर-वाराणसी जं.-मिजार्पुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव बनारस, ज्ञानपुर रोड एवं प्रयागराज जं. स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 22.15 बजे छूटेगी। रामेश्वरम से 11 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 22535 रामेश्वरम-बनारस एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज जं.-प्रयागराज रामबाग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-मिजार्पुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव प्रयागराज जं. एवं ज्ञानपुर रोड स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 21.50 बजे छूटेगी। बनारस से 15 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 22536 बनारस-रामेश्वरम एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जं.-मानिकपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मिजार्पुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव ज्ञानपुर रोड एवं प्रयागराज जं. स्टेशनों पर नहीं रहेगा। यह गाड़ी प्रयागराज छिवकी से 23.10 बजे छूटेगी।

पिता की वर्दी से मिली प्रेरणा अब अपने परिवार

वाराणसी। 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में खेलने के लिए देशभर से आए कई खिलाड़ियों से अमर उजाला टीम ने बात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने अपने अनुभव साझा किए। सेना की वर्दी से मिली प्रेरणा, चार साल की उम्र से शुरू हुई मेहनत, बर्फीले लद्दाख से काशी तक का सफर और छोटे गांवों से राष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का संघर्ष...। 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में उतरे खिलाड़ी सिर्फ मुकाबला नहीं खेल रहे, बल्कि अपने परिवार, अनुशासन और सपनों की कहानी भी लिख रहे हैं। किसी को पिता और भाई का सहारा मिला, तो किसी ने बेहद कम उम्र में खेल को जीवन बना

लिया। इन सभी की मंजिल एक है। राष्ट्रीय मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन। ऐसे कई खिलाड़ियों से अमर उजाला टीम ने बात की। पिता सेना में, वहीं से मिली खेल की प्रेरणा आज के समय में अधिकांश युवाओं का रुझान क्रिकेट, हॉकी और बैडमिंटन की ओर है। पिता भारतीय सेना में कार्यरत हैं और बड़े भाई भी खेल क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। पिता ने वॉलीबॉल खेलने के लिए प्रेरित किया और शुरू से ही पूरा सहयोग दिया, जिसकी बदौलत आज मैं इस मुकाम पर हूं। -पूरब जेठवा, अंडमान चार साल की उम्र से खेल रहीं वॉलीबॉल मुझे बचपन से वॉलीबॉल खेल ने आकर्षित किया। यही वजह है कि मैंने चार साल की उम्र से वॉलीबॉल खेलना शुरू कर दिया था। किसी भी खेल से हमें यही सीखने को मिलता है कि जीवन में कैसे एक साथ अनुशासन में चलना चाहिए। -महक, चंडीगढ़ काशी को यूट्यूब पर देख यहां खेलना सुखद काशी आकर बहुत अच्छा लगा। कॉन्फिडेंस के साथ हमारी टीम अच्छा परफॉर्मेंस दिखाएगी। यहां का मौसम भी अच्छा है। लद्दाख में बहुत ठंड है। इसके पहले जम्मू में नेशनल खेला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जो स्पेस दिया है उसे हम बहुत मोटिवेशनल हुए हैं और उनके द्वारा काशी आने का निमंत्रण दिया गया है हम खेल के जरूर घूमेंगे। -अफरीना फातिमा, लद्दाख छोटे गांव से राष्ट्रीय मंच तक का सफर हम एक छोटे से गांव से आए हैं और यहां तक पहुंचने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ा है। बड़े भाई पुलिस में हैं। उन्होंने शुरू से मेरे खेल को सपोर्ट किया। खोलो इंडिया में 20 खेल हैं लेकिन सबसे ज्यादा मुझे बॉलीबॉल ने आकर्षित किया।

हरैर्या कस्बे में फल विक्रेता से जालसाज ने आठ हजार ठगे

हरैर्या। कस्बे में रविवार को एक जालसाज फल विक्रेता से आठ हजार रुपये ठग कर फरार हो गया। इससे पहले उसने किराना स्टोर व हसीनाबाद बाजार में एक कपड़ा व्यवसायी के यहां भी ठगी करने की कोशिश की थी, मगर कामयाब नहीं हो पाया था। जानकारी के अनुसार, रविवार को बाइक से एक युवक पैकोलिया थाना क्षेत्र के बैरिहवा बाजार में एक जलपान की दुकान पर पहुंचा। दुकानदार से उसने एक मजदूर के लिए बातचीत की। उसी दुकान पर खड़े युवक सन्नी को सामान लादने का झांसा देकर पांच सौ रुपये मजदूरी पर तय के बाइक पर बैठा लिया। दोनों हसीनाबाद बाजार में एक कपड़े के दुकान पर गए। 21 साड़ियों का बंडल बंधवा कर कुछ देर में आकर ले जाने की बात कर चला गया। इसके बाद जालसाज युवक के साथ हरैर्या कस्बे में किराना दुकानदार अनिल पांडेय की दुकान पर करीब 40 हजार का सामान पैक कराकर थोड़ी देर में आने की बात कहकर बभनान चौराहे पर फल के दुकानदार मोहम्मद आतिश की दुकान पर पहुंचा। यहां उसने करीब पांच हजार रुपये की खरीदारी की। दुकानदार से पांच पांच सौ के नोट के बदले सौ के नोट देने की बात कहकर नोटों की गड्डी निकालकर गिनने का नाटक करने लगा। इसी बीच दुकानदार ने जालसाज को पांच सौ के 16 नोट गिनकर देकर दूसरे ग्राहक को सामान देने में व्यस्त हो गया। मौका पाकर जालसाज ने मिठाई लेने जाने की बात कहते हुए साथ आए मजदूर को वहीं पर बैठने के लिए कहकर निकल गया।

वाराणसी नहीं आ सका गंगा विलास क्रूज इस वजह से पटना में पर्यटकों को छोड़कर लौट गया कोलकाता

वाराणसी। गंगा का जलस्तर कम होने से गंगा विलास क्रूज वाराणसी नहीं आ सका। पानी कम होने के चलते गंगा विलास पटना से ही 30 विदेशी पर्यटकों को छोड़कर कोलकाता लौट गया। गंगा में सबसे लंबी नदी यात्रा पर निकला गंगा विलास क्रूज वाराणसी नहीं आ सका। गंगा का जलस्तर कम होने से यह क्रूज पटना से ही 30 विदेशी पर्यटकों को छोड़कर कोलकाता लौट गया। उन 30 पर्यटकों को सड़क मार्ग से वाराणसी लाया गया। यह पर्यटक यहां बाबा विश्वनाथ के दर्शन, सारनाथ भ्रमण और गंगा आरती देखेंगे। इसके बाद 25 पर्यटक वापस अपने देश लौटेंगे और पांच कुछ दिन काशी में बिताएंगे। गंगा बिलास क्रूज कोलकाता से वाराणसी के लिए 12 नवंबर को रवाना हुआ। अमेरिका, जर्मनी और स्विट्जरलैंड के 30 पर्यटक इस क्रूज में सफर कर रहे थे। जनवरी 2023 और अक्तूबर 2024 के बाद यह जलयान तीसरी बार वाराणसी आ रहा था। गंगा के रास्ते में इस क्रूज ने पर्यटकों को 15 स्थलों के धार्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक स्थलों तथा शहरों के विशेष स्थानों का भ्रमण कराया।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी का झांसा देकर युवती के साथ यौन शोषण करने का मामला प्रकाश में आया है। थाना क्षेत्र की रहने वाली 19 वर्षीय युवती ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसके गांव का रहने वाला आरोपी रवि उनके संपर्क में आया और दोनों के बीच बातचीत होने लगी। इस दौरान नजदीकी बढ़ गई। आरोप है कि इसका फायदा उठाकर व शादी का झांसा देकर आरोपी ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने लगा।

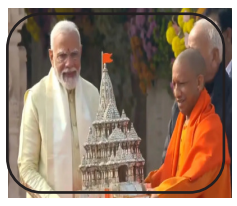

यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार की चचाओं के बीच पीएम मोदी से मिले सीएमे

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मुलाकात की जानकारी दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं। एक तस्वीर में सीएम योगी प्रधानमंत्री को अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट कर रहे हैं। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक साल का समय शेष रह गया है और राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं जोरों पर हैं।

यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार की चचाओं के बीच पीएम मोदी से मिले सीएम

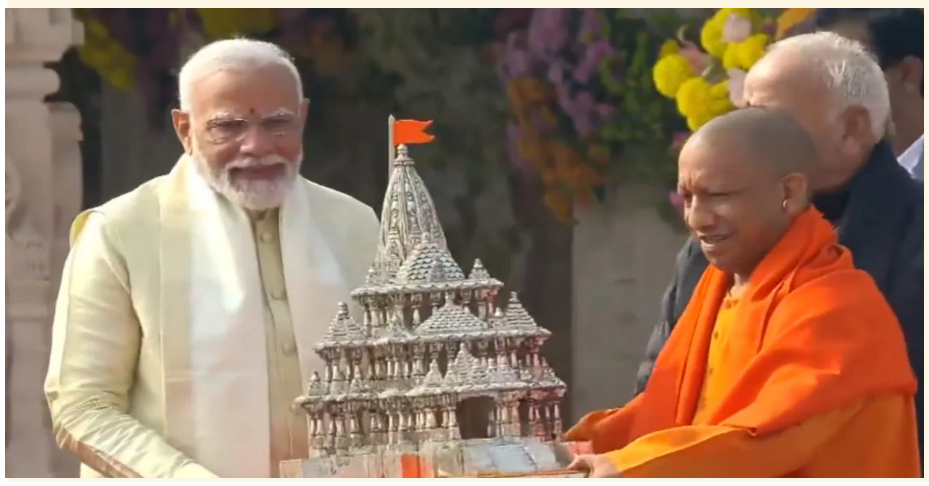

भेंट की राम मंदिर की प्रतिकृति

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मुलाकात की जानकारी दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं। एक तस्वीर में सीएम योगी प्रधानमंत्री को अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट कर रहे हैं। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक साल का समय शेष रह गया है और राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं जोरों पर हैं। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने भी इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए इसे शिष्टाचार भेंट बताया है। सीएम योगी ने एक्स पर लिखा,आज नई दिल्ली में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। आपका पाथेय नये उत्तर प्रदेशश की विकास यात्रा को और अधिक गति प्रदान करने हेतु सदैव नवीन ऊर्जा का संचार करता है। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी।

तीन सौ बेड का होगा अयोध्या का श्री राम अस्पताल

लखनऊ (संवाददाता)। अयोध्या में 300 बेड वाला श्री राम अस्पताल बनेगा। श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने रामनगरी के समग्र विकास के बाबत कहा कि राम मंदिर निर्माण के साथ अब अयोध्या में स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष जोर है।श्री राम अस्पताल को अपग्रेड किया जाएगा, इसे श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी। श्री राम अस्पताल में विभिन्न तरीके की स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें तत्काल निदान, टेस्ट, प्रारंभिक उपचार और गंभीर बीमारियों की देखभाल शामिल रहेगी। मेडिकल डिवाइस खरीदी जाएंगी। भूमि उपलब्ध है,केवल एएसआई से सहमति लेनी है। कार्य तत्काल प्रारंभ कर दिया जाएगा। अस्पताल में 300 बेड वाला अस्पताल होगा, टेंडर हो गया है, निर्माण एजेंसी चुन ली गई है। निर्माण जल्द शुरू होने वाला है। उम्मीद है कि एएसआई की स्वीकृति जल्द मिल जाएगी। कुछ कागजी कार्रवाई है जो लखनऊ और दिल्ली से संबंधित है। मोदी केयर कैंसर ट्रस्ट एक कैंसर अस्पताल भी बनायेगा जो हब-स्पोक मॉडल पर आधारित होगा। निर्माण पूरा होने के दो साल के भीतर गंभीर निदान प्रक्रियाएं शुरू हो जाएंगी। अयोध्या के राजा से अनुरोध किया गया है कि वह अपनी संपत्ति में से 8 एकड़ दे दें। जिलाधिकारी से एनओसी मिल चुकी है। अब निर्माण करने वाली संस्था और अयोध्या के राजा के बीच एक एग्रीमेंट होगा। संभवतरू स्थानीय ट्रस्ट बनेगा, अयोध्या के राजा मनोनीत ट्रस्टी होंगे।

योगी कैबिनेट में फेरबदल जल्द होने के आसार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की सियासत से इस वक्त की बड़ी खबर है। दिल्ली के सत्ता गलियारों में हलचल तेज हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। आधे घंटे तक चली मीटिंग ने यूपी की राजनीति में फेरबदल के संकेत दे दिए हैं। चर्चा है कि यह सिर्फ एक शिष्टाचार भेंट नहीं 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले प्रदेश को श्नई धारश् देने की तैयारी है।पीएम मोदी के साथ मंत्रणा में अहम विषय यूपी कैबिनेट का विस्तार रहा। सूत्रों की मानें तो योगी सरकार टीम में उन चेहरों को शामिल करने वाली है जो जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों में फिट हों। योगी मंत्रिमंडल में मंत्रियों के करीब आधा दर्जन पद खाली भी हैं, जिन्हें भरा जाना है। इस फेरबदल में कुछ दिग्गज मंत्रियों को सरकार से हटाकर संगठन की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, संगठन के कुछ चेहरों को मंत्री पद मिल सकता है। क्षेत्रीय संतुलन के लिए उन इलाकों को तरजीह मिलने वाली है, जहां भाजपा खुद को और मजबूत करना चाहती है।चर्चा श्एसईआरश् यानि सर्वे और आंतरिक रिपोर्ट को लेकर हुई। शायद यह बात सामने आई है कि भाजपा के जो इलाके परंपरागत गढ़ माने जाते थे, वहां कई बड़े नेताओं की पकड़ ढीली है। कई नाम ऐसे हैं जो अपनी ही जमीन खोते नजर आ रहे हैं। केंद्रीय नेतृत्व ने पहले ही चेतावनी दी थी लेकिन कई नेताओं ने गंभीरता से नहीं लिया। अब इसी एसआईआर के आधार पर कई मौजूदा मंत्रियों की कुर्सी खतरे में है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के बीच मंथन पार्टी की पकड़ मजबूत बनाने की बाबत हुआ।2027 के महामुकाबले को देखते भाजपा कोई जोखिम नहीं लेने वाली है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की कैबिनेट में वापसी लगभग तय है। ब्राह्मण विधायकों की बैठक का भी असर नए मंत्रिमंडल पर दिख सकता है। ब्राह्मण समाज की नाराजगी दूर करने के लिए किसी बड़े चेहरे को प्रमोशन मिल सकता है। पश्चिमी यूपी में मजबूती के लिए गुर्जर, जाट नेताओं को जिम्मेदारी दी जा सकती है। कुछ राज्य मंत्रियों का कद बढ़ाकर उन्हें स्वतंत्र प्रभार दिया जा सकता है ताकि शासन में युवाओं की भागीदारी बढ़े। कवायद का मकसद,2027 में सत्ता की हैट्रिक है। नए विस्तार में सरकार की छवि चमकाने की कोशिश होगी। बोर्ड, निगमों में नए लोगों को जगह देकर पार्टी के भीतर के असंतोष को खत्म करने का प्रयास किया जाएगा। जनता को बेसब्री से श्नई टीम योगीश के ऐलान का इंतजार है।

नागरिकों के खुद बना डाली रोड

सरकार और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी पर भारी पड़ी जनता

लखनऊ (संवाददाता)। समाजसेवियों और नागरिकों ने जर्जर सड़क मार्ग को खुद दुरुस्त कर राहगीरों की राह आसान और सुगम बनाने का काम कर दिया।इस कदम की क्षेत्रीय लोगों ने तारीफ करते हुए आभार व्यक्त किया। श्रमदान और सहकारिता हमारी पुरानी परंपरा रही है। हम तो पहले भी श्रमदान से गलियों और गलियारों को बनाते रहे हैं।सरकार और जनप्रतिनिधियों के दायित्व हैं किजनसमस्याओं का समाधान करें,उनके पास बजट होता है और सरकारी मशीनरी भी,लेकिन अक्सर अनदेखी के कारण कोई क्षेत्र, इलाका या गांव महरूम रह जाता है। ऐसे में जागरूक लोग अपनी शक्ति का इस्तेमाल कर विकास की राह आसान करते हैं।सरकार व जनप्रतिनिधियो को आईना दिखाने ग्रामीण आगे आये। लखनऊ में जहां पीडब्ल्यूडी विभाग व नगर विकास विभाग सड़क निर्माण नालियों व शहर को दुरुस्त करने के लिए करोड़ों अरबो रुपए का बजट देती है। बजट तो सड़कों के नाम पर और नालियों के नाम पर आ जाता है लेकिन जो जिम्मेदार हैं वहां के वह काम नहीं करा पाते हैं। डिगडिगा मुरलीपुर से देवा मार्ग आने जाने वाले राहगीरों के लिए राजधानी के अंदर सड़क पर कमर तोड़ गड्ढे अक्सर जानलेवा साबित होते हैं। इन सड़कों को दुरुस्त करने के लिए विभाग करोड़ों अरबो रुपए साल में देती है लेकिन बजट सड़कों पर न लगकर कहां चला जाता है पता नहीं। इन सड़कों की जिम्मेदारी क्षेत्रीय पार्षद विधायक व सांसदों के ऊपर होती है जिनको इन सड़कों का ध्यान रखना चाहिए लेकिन इन बड़े-बड़े गड्ढेदार सड़कों की वजह से आए दिन कभी किसी का एक्सीडेंट हो जाता तो कभी किसी का हाथ पैर टूट जाता ।इन सड़कों पर दिन में तो बड़े-बड़े गड्ढों की वजह से चलना मुश्किल हो जाता है। रात में गड्ढे दिखते नहीं उसकी वजह से चलना मुश्किल हो जाता है, आए दिन एक्सीडेंट होते रहते हैं। सरकारें आती है और चली जाती हैं लेकिन गड्ढे जस के तस बने रहते हैं आखिर में वहां के समाजसेवी और उनके सहयोगियों के द्वारा इस सड़क पर ध्यान जाता है, उन लोगों के द्वारा जिम्मेदारी उठाई जाती है कि सड़क को कैसे गड्ढा मुक्त किया जाए और फिर सब मिलकर सड़क को दुरुस्त करने का जिम्मा उठाते हैं। समाजसेवी जितेंद्र नारायण व सहयोगियों ने मुरलीपुर से लेकर देवा संपर्क मार्ग तक गड्ढेदार सड़क को दुरुस्त करने का काम किया गया है। इस सड़क पर आए दिन बड़े -बड़े गड्ढों की वजह से ई रिक्शा, मोटरसाइकिल पलट जाती थी जिससे लोगों के हाथ पैर टूट जाते थे और राहगीरों को आए दिन चोटिल होना पड़ता था। क्षेत्रीय जनता ने डिगडिगा मुरलीपुर से देवा संपर्क मार्ग तक दुरुस्त करने के लिए समाजसेवी जितेंद्र नारायण व दिनेश कुमार यादव, डॉ लालता प्रसाद धीरेन्द्र कुमार यादव, सुशील कुमार यादव, अरविन्द कुमार यादव, मनोज कुमार, संजय वर्मा, हंसराज वर्मा, शिव कुमार वर्मा, जय कारण पाल अभिषेक यादव, अनुराग यादव, भारत सिंह, गजराज वर्मा, सुशील कुमार वर्मा, उपेंद्र वर्मा लोगों का क्षेत्रीय जनता ने आभार जताया।

यूपी की आरक्षित 84 सीटों पर सपा की लगी निगाह

अखिलेश का खास प्लान तैयार, जरूरत पड़ी तो कुछ सामान्य सीटों पर भी उतार देंगे दलित उम्मीदवार

लखनऊ (संवाददाता)। 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज कर उत्तर प्रदेश की सत्ता पर फिर काबिज होने के लिए समाजवादी पार्टी कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। बसपा के वोटबैंक पर अखिलेश यादव ने नजर गड़ा दी है। 2027 के चुनाव में समाजवादी पार्टी बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है।पार्टी का फोकस दलित वोटबैंक को आकर्षित करने पर है, जो पारंपरिक रूप से बहुजन समाज पार्टी का मजबूत आधार माना जाता रहा है।सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जो रणनीति बनाई है उसके मुताबिक 2027 के विधानसभा चुनावों में पार्टी सामान्य सीटों पर भी दलित समुदाय के उम्मीदवारों को बड़े पैमाने पर टिकट देकर जातीय समीकरणों को पलटने की कोशिश करेगी।यह रणनीति अखिलेश यादव की पीडीए पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक फॉर्मूले का हिस्सा है।उन्हें लगता है कि बसपा के कोर वोट बैंक पाले में आ जाये तो सत्तारूढ़ भाजपा को उखाड़ फेंकना आसान होगा। सपा 2024 लोकसभा चुनावों में मिली जीत व हारी हुई सीटों से सबक लेते हुए 2027 के लिए अभी से जमीन तैयार कर रही है। लोकसभा चुनावों में दलित वोटों का एक बड़ा हिस्सा सपा की ओर खिसका था। विधानसभा चुनाव में मजबूती के लिए सामान्य सीटों पर दलित चेहरों को मैदान में उतारने का प्लान है।इससे दलित मतदाताओं में विश्वास बढ़ेगा, गठबंधन की संभावनाओं को बल मिलेगा।अखिलेश ने कहा था कि ष्पीडीए ही यूपी का भविष्य हैष्। इस रणनीति से पार्टी पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को एकजुट करने की कोशिश कर रही है।सपा की योजना से यूपी की जातीय राजनीति में बदलाव आ सकता है।वर्तमान में यूपी विधानसभा में 403 सीटें हैं, जिनमें 84 आरक्षित यानि एससी हैं,लेकिन सपा सामान्य सीटों पर भी दलित उम्मीदवार उतारकर बसपा के वोटबैंक में सेंध लगाने की तैयारी में है।पार्टी ने 2025 से पीडीए चर्चा कार्यक्रम शुरू किए हैं, जो सभी 403 विधानसभाओं में चलाए जा रहे हैं।इनमें दलित समुदाय के मुद्दों पर फोकस किया जा रहा है, जैसे शिक्षा, रोजगार और सामाजिक न्याय।सियासी जानकारों का मानना है, दांव जोखिम भरा भी हो सकता है क्योंकि सामान्य सीटों पर दलित उम्मीदवार उतारने से ऊपरी जातियों के वोट खिसक भी तो सकते हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में दलित वोटों के कुछ हिस्से ने सपा का साथ दिया था जिससे पार्टी उत्साहित है।सपा की रणनीति यूपी की सियासत को नई दिशा भी दे सकती है। पार्टी के इस प्लान पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी। सपा के इस प्लान को लेकर बीएसपी और बीजेपी में टेंशन बढ़नी स्वाभाविक है।

किसानों का प्रदर्शन,बोले-छुट्टा जानवर फसलों को बर्बाद कर रहे

लखनऊ/बांदा (संवाददाता)। जिले की बबेरू तहसील में सैकड़ों की संख्या में घूम रहे अन्ना जानवर किसानों की फसलों को लगातार बर्बाद कर रहे हैं। इससे आक्रोशित किसानों ने बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने जांच के आदेश जारी किए हैं। बता दे की बबेरू तहसील के आहार, मिलाथू, पल्हरी, शिव, मवई, पारा बिहारी, आलमपुर, बघेहटा, देवरथा, पंडरी, अनौसा, रगौली, हरदौली, जुगरेहली और सिमोनी समेत दर्जनों गांवों में यह समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। किसानों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। किसानों के अनुसार, धान की फसलें पहले ही बर्बाद हो चुकी हैं। अब गेहूं, चना, मसूर, मटर और सरसों जैसी रबी की फसलें भी नष्ट हो रही हैं। किसान अपना कृषि कार्य छोड़कर अन्ना जानवरों को खेतों से भगाने में जुटे हैं। किसानों ने इस स्थिति के कारण भुखमरी और आत्महत्या की आशंका व्यक्त की है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार गौ संरक्षण पर लगातार अरबों रुपये खर्च कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों की फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। किसानों ने सैकड़ों की संख्या में घूम रहे अन्ना जानवरों की तस्वीरें और वीडियो जीपीएस कैमरे से खींचकर सोशल मीडिया पर वायरल किए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि इस समस्या का तत्काल समाधान नहीं किया गया, तो वे एक बड़ा आंदोलन शुरू करने को मजबूर होंगे। इस मामले में अपर जिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें अन्ना जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की सूचना मिली है। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (सीवीओ) और एसडीएम बबेरू को तत्काल मौके पर जाकर जांच करने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

अज्ञात बाइक की टक्कर से ई-रिक्शा सवार घायल

लखनऊ /बांदा (संवाददाता)। जिले के बिसंडा रोड पर एक अज्ञात बाइक की टक्कर से ई-रिक्शा सवार युवक राजेश गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना तब हुई जब राजेश ई-रिक्शा में सवार होकर अतर्रा की ओर जा रहा था। बड़ागांव निवासी पीड़िता तालबेली ने सीओ को दी तहरीर में बताया कि उनका बेटा राजेश ई-रिक्शा से अतर्रा जा रहा था। बिसंडा रोड पर पहुंचते ही सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया और राजेश नीचे गिर पड़ा। इस हादसे में राजेश के पैर में गंभीर चोटें आई हैं। आसपास मौजूद लोगों ने राजेश के परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और घायल राजेश को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। पीड़िता तालबेली ने अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार बाइक सवार की तलाश कर रही है।

गांजा तस्कर गिरफ्तार,पुलिस ने 40 किलो गांजा बरामद किया

लखनऊ /उरई/जालौन (संवाददाता)। जालौन में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत उरई पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसओजी टीम और कोतवाली उरई पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 40.250 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब आठ लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से बिना नंबर प्लेट की एक अपाचे मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने बताया कि एसओजी और कोतवाली उरई पुलिस क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग और नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए संयुक्त अभियान चला रही थी। इसी अभियान के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक गांजा लेकर जालौन रोड की ओर से बिक्री के लिए जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आईटीआई कॉलेज के सामने जालौन रोड पर चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान संदिग्ध युवक को रोका गया और उसकी तलाशी ली गई। तलाशी में उसके पास से 40.250 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उसकी पहचान दीपू राजपूत पुत्र वीरेंद्र राजपूत निवासी ग्राम गोहन, जनपद जालौन, हाल पता मोहल्ला राजेंद्र नगर, कोतवाली उरई के रूप में हुई। अभियुक्त दीपू राजपूत ने पूछताछ में बताया कि वह गांजा सस्ते दामों पर खरीदकर महंगे दामों पर बेचता था। इस आय से वह अपने घरेलू खर्च और शौक पूरे करता था। उसने यह भी स्वीकार किया कि वह गिरफ्तारी के समय भी अपाचे मोटरसाइकिल से गांजा बेचने जा रहा था। इस संबंध में कोतवाली उरई में मु0अ0सं0 12ध्26 धारा 8ध्20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अभियुक्त के आपराधिक इतिहास की जानकारी आसपास के जनपदों और थानों से भी जुटा रही है।

संक्षिप्त खबरें

कुशल प्रशासक बाबू कल्याण सिंह की 94वीं जयंती पर दी गयी श्रद्धांजलि

लखनऊ (संवाददाता)। राम मंदिर के निर्माण के लिए अपनी सत्ता को ठोकर मार देने वाले स्वर्गीय कल्याण सिंह बाबूजी को उनकी जयंती के अवसर पर याद किया गया। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कुशल प्रशासक स्वर्गीय बाबू कल्याण सिंह की 94 वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को नगर निगम मुख्यालय के सामने स्थापित उनकी प्रतिमा पर हजारों लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्हें याद किया। पुष्प अर्पण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन नगर निगम के सहयोग से जिला लोधी राजपूत क्षत्रिय सभा द्वारा किया गया। उनकी स्मृतियों को ताजा करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि बाबू कल्याण सिंह सभी के बाबू जी होने के साथ - साथ गरीबों के मसीहा थे। बाबूजी ने राम मंदिर के लिए सत्ता को ठोकर मार दी थी। कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंची महापोर सुषमा खर्कवाल ने कल्याण सिंह के चरणों में पुष्प अर्पित करते हुए उनकी प्रतिमा पर छतरी लगाने की घोषणा करते हुए उन्हें नमन किया।पुष्पांजलि कार्यक्रम में मुख रूप से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पुत्र नीरज सिंह , पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया, पूर्व सांसद कौशल किशोर, विधायक योगेश शुक्ल , विधायक नीरज बोरा सहित उपस्थित अन्य गणमान्य लोगों ने अपने प्रिय बाबूजी कल्याण सिंह के चरणों मेंपुष्पांजलि अर्पित की।

अखण्ड आर्यावर्त महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी का मनाया गया जन्मदिन

लखनऊ (संवाददाता)। अखंड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि कुमार त्रिवेदी के जन्मदिवस पर आज यहां इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, कुर्सी रोड के समक्ष स्थित उनके आवास पर तहरी भोज का आयोजन किया गया। इस मौके पर अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। जिनमें प्रमुख लोगों में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, प्रवक्ता बाबा महादेव, प्रदेश अध्यक्ष चन्द्र मौलि शुक्ल, अरविंद मिश्रा, श्रीराम तिवारी, प्रकाश श्रीवास्तव, शिव पूजन दीक्षित शामिल रहे। इससे पहले आज अपराह्न 12 बजे जन्मदिन धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस मौके पर अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्र मौलि शुक्ल ने बताया कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी का जन्मदिन लखनऊ के अलावा देश- प्रदेश में स्थित संगठन एवं अन्य अनुषांगिक संगठनों के कार्यालयों में भी केक काटकर राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी का जन्मदिन मनाया गया और वर्चुअली उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने अपने शुभचिंतकों और संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया।

लुलु मॉल, लखनऊ में फनटुरा द्वारा भव्य शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। लुलु मॉल, लखनऊ स्थित प्रमुख इनडोर एम्यूजमेंट एवं फैमिली एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन फनटुरा द्वारा एट्रियम-1, लुलु मॉल में एक भव्य शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों से 165 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे यह मॉल में आयोजित अब तक की सबसे आकर्षक और उत्साहपूर्ण शतरंज प्रतियोगिताओं में से एक बन गई। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों, युवाओं और वयस्कों में रणनीतिक सोच, खेल भावना और बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करना था। विभिन्न स्कूलों, शतरंज अकादमियों और स्वतंत्र शतरंज खिलाड़ियों ने दिनभर चले इस आयोजन में अपनी प्रतिभा, अनुशासन और एकाग्रता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में श्री जयाकुमार गंगाधरन, डायरेक्टर, यूपी, दिल्ली एवं तेलंगाना, लुलु ग्रुप, की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री जयाकुमार गंगाधरन ने शतरंज प्रतियोगिता की सराहना करते हुए कहा इस तरह के बौद्धिक और कौशल-आधारित आयोजन बच्चों और युवाओं के मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। लुलु ग्रुप का निरंतर प्रयास रहेगा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन किए जाएं, जिससे समाज की प्रतिभाओं को एक सकारात्मक और सशक्त मंच मिल सके। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री वसीम अहमद खघन, ऑपरेशंस मैनेजर द लुलु फनटुरा, ने प्रतियोगिता की शानदार भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि फनटुरा का उद्देश्य केवल मनोरंजन तक सीमित न रहकर, सीखने और विकास से जुड़े अनुभवों को भी परिवारों और बच्चों तक पहुँचाना है। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षिक और खेल आधारित आयोजनों के आयोजन की प्रतिबद्धता जताई। प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की गई। फनटुरा आने वाले महीनों में भी ऐसे ज्ञान, कौशल और समुदाय से जुड़े आयोजनों के माध्यम से लखनऊ में पारिवारिक मनोरंजन के केंद्र के रूप में अपनी मजबूत पहचान को और सुदृढ़ करेगा।

पुलिस भर्ती: आयु सीमा पर तीन साल की छूट

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं को योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ी राहत दी है। अभ्यर्थियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर प्रस्तावित सीधी भर्ती-2025 के लिए अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन वर्ष का शिथिलीकरण प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है। सीधी भर्ती-2025 के अंतर्गत कुल 32,679 पदों को भरे जाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। शासनादेश के अनुसार आरक्षी नागरिक पुलिस पुरुष,महिला, आरक्षी पीएसी सशस्त्र पुलिस पुरुष, आरक्षी विशेष सुरक्षा बल पुरुष, महिला बटालियन हेतु महिला आरक्षी, आरक्षी घुड़सवार पुलिस पुरुष तथा जेल वार्डर पुरुष एवं महिला पदों पर भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को यह आयु शिथिलीकरण एक बार के लिए प्रदान किया जाएगा।सरकार द्वारा यह निर्णय उत्तर प्रदेश लोक सेवा भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण नियमावली-1992 के नियम-3 के आलोक में लिया गया है। यह फैसला 31 दिसंबर 2025 को जारी भर्ती विज्ञप्ति के अनुक्रम में 5 जनवरी 2026 को जारी शासनादेश के माध्यम से लागू किया गया है, जिससे बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा जो आयु सीमा के कारण अब तक भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो गये थे। प्रदेश की सरकार युवाओं की वास्तविक समस्याओं को समझती है और समाधान के लिए ठोस फैसले लेने से पीछे नहीं हटती। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को न्यायसंगत अवसर देना, रोजगार के अधिक से अधिक विकल्प उपलब्ध कराना और प्रशासनिक निर्णयों में संवेदनशीलता बनाए रखना योगी सरकार की कार्यशैली का हिस्सा बन चुका है। पुलिस भर्ती में आयु सीमा शिथिलीकरण का यह निर्णय लाखों युवाओं की उम्मीदों को नया बल देगा।

संपादकीय

नेताओं की भाषा का गिरता स्तर चिंताजनक

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती उसके नेताओं की गरिमा और संवाद की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। लेकिन हाल के वर्षों में, राजनीतिक भाषणों व बयानों में अभद्र टिप्पणियां व असंसदीय भाषा, गाली-गलौज का बढ़ता इस्तेमाल एक गंभीर मुद्दा बन गया है। यह न केवल संसद और विधानसभाओं तक सीमित है, बल्कि चुनावी रैलियों, मीडिया इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर भी फैल चुका है। यह मुद्दा इतना संवेदनशील बन चुका है कि राजनीतिक दल चाहे कोई भी हो, उनके बिगड़े बोल, आम नागरिकों, पार्टी कार्यकत्ताओं और मीडिया पर एक नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। साथ ही, महिलाओं, विपक्षी दलों और पत्रकारों के प्रति नेताओं के दुर्व्यवहार भी आजकल चर्चा में हैं, जो इन अमर्यादित नेताओं के सच्चे चरित्र को सामने लाता है। संसदीय परंपराओं में, असंसदीय भाषा वह होती है जो अपमानजनक, अभद्र या व्यक्तिगत हमला करने वाली हो। भारतीय संसद में, स्पीकर अक्सर ऐसी भाषा को हटाने का आदेश देते हैं, लेकिन संसद के बाहर ऐसे बयानों पर किसी का कोई नियंत्रण नहीं होता। राजनीतिक नेता अक्सर विपक्षी नेताओं को चोर, गद्दार या इससे भी बदतर शब्दों से संबोधित करते हैं। चुनावी मौसम में यह और तीव्र हो जाता है, जहां व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप की जगह ले लेते हैं। गौरतलब है कि कुछ नेताओं की यह प्रवृत्ति नई नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया के युग में यह वायरल होकर लाखों लोगों तक पहुंच जाती है, जिससे समाज पर इसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। जब नेता सार्वजनिक मंचों पर गाली-गलौज करते हैं, तो यह नागरिकों में नेतृत्व के प्रति सम्मान की भावना को कमजोर करता है। विशेषकर युवा पीढ़ी, जो सोशल मीडिया पर सक्रिय है, इससे प्रभावित होती है। वे सोचते हैं कि अगर देश के लोकप्रिय नेता खुले मंचों पर ही ऐसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं, तो सामान्य जीवन में क्या करते होंगे? इससे समाज में असहिष्णुता और हिंसा की संस्कृति पनपती है। उदाहरणस्वरूप, जब कोई नेता विपक्षी को कुत्ता या सुअर जैसे शब्दों से नवाजता है, तो यह न केवल उस व्यक्ति का अपमान है, बल्कि पूरे लोकतंत्र का मजाक उड़ाता है। नागरिकों में यह धारणा बनती है कि राजनीति एक गंदा खेल है, जहां नैतिकता की कोई जगह नहीं। राजनीतिक दल के कार्यकर्त्ता अपने नेताओं को आदर्श मानकर उनका अनुसरण करते हैं। जब शीर्ष नेता असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करते हैं, तो यह कार्यकत्ताओं में भी वैसी ही प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करता है।चुनावी रैलियों में कार्यकर्त्ता विपक्षी दलों के खिलाफ नारे लगाते समय अक्सर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं, जो कभी-कभी हिंसक झड़पों में बदल जाता है। इससे दल के अंदर अनुशासनहीनता बढ़ती है और कार्यकर्त्ता व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा में उलझ जाते हैं। इसके अलावा, जब कोई नेता अपनी ही पार्टी के सदस्यों के खिलाफ ऐसी भाषा इस्तेमाल करता है (जैसे असंतुष्ट सदस्यों को गद्दार कहना), तो यह आंतरिक कलह को जन्म देता है। पार्टी कार्यकर्त्ता निराश होते हैं और उनका मनोबल गिरता है। कार्यकर्त्ता सोचते हैं कि अगर नेता ही सम्मान नहीं रखते, तो वे क्यों रखें? इससे राजनीतिक संस्कृति में गिरावट आती है। मीडिया पर इसका प्रभाव सबसे अधिक चिंताजनक है। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जो नेताओं से सवाल पूछकर जवाबदेही सुनिश्चित करती है लेकिन जब पत्रकार तीखे सवाल पूछते हैं, तो कई नेता उन पर व्यक्तिगत हमला करते हैं या अभद्र व्यवहार करते हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रैस कॉन्फ्रैंस में नेता पत्रकारों को पेड मीडिया या दलाल कहकर अपमानित करते हैं। कभी-कभी यह शारीरिक धमकी तक पहुंच जाता है, जैसे कैमरा छीनना या बाहर निकालना। इससे मीडिया की स्वतंत्रता पर खतरा मंडराता है। पत्रकार डर के मारे सवाल पूछने से हिचकिचाते हैं, जिससे जनता को सच्ची जानकारी नहीं मिलती। सोशल मीडिया पर नेता पत्रकारों के खिलाफ ट्रोल आर्मी को सक्रिय करते हैं, जो अभद्र टिप्पणियों से उन्हें परेशान करते हैं। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स में भारत में पत्रकारों पर हमलों की संख्या बढने का उल्लेख है और असंसदीय भाषा इसका एक प्रमुख कारण है। भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है, लेकिन उनके खिलाफ लिंगभेदी टिप्पणियां एक बड़ी समस्या है। नेता अक्सर महिला विपक्षी नेताओं की शारीरिक बनावट, कपड़ों या व्यक्तिगत जीवन पर अभद्र टिप्पणियां करते हैं। जैसे आइटम या डांस करने वाली जैसे शब्दों का इस्तेमाल। यह न केवल महिलाओं का अपमान है, बल्कि पूरे समाज में लिंग असमानता को बढ़ावा देता है। इससे महिला कार्यकत्ताओं का मनोबल गिरता है और वे राजनीति में आने से हिचकिचाती हैं। विपक्षी दलों के प्रति भी ऐसी भाषा का प्रयोग आम है। नीतिगत मतभेदों की बजाय, नेता व्यक्तिगत हमलों में उलझ जाते हैं, जैसे परिवार को निशाना बनाना या जाति-धर्म पर टिप्पणियां। इससे राजनीतिक बहस का स्तर गिरता है और समाज में विभाजन बढ़ता है। यह सब देखकर लगता है कि भारतीय राजनीति में सभ्यता की कमी एक बड़ी चुनौती है। लेकिन इसका समाधान क्या है? सबसे पहले, नेताओं को स्वयं अपनी भाषा पर नियंत्रण रखना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में सख्त नियम लागू करने चाहिएं और बाहर के मंचों पर भी नैतिक दिशा-निर्देश। मीडिया को ऐसी भाषा को बढ़ावा न देकर, जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करनी चाहिए। नागरिकों को भी सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री को शेयर न करके, विरोध जताना चाहिए। राजनीतिक दलों को अपने कार्यकत्ताओं को प्रशिक्षित करना चाहिए कि बहस नीतियों पर हो, न कि व्यक्तिगत हमलों पर। महिलाओं के प्रति सम्मान बढ़ाने के लिए जैंडर सैंसिटाइजेशन प्रोग्राम चलाए जा सकते हैं।

सोमनाथ: अटूट आस्था के 1000 वर्ष

> ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है... सौराष्ट्रे सोमनाथं च... यानी ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। यह इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है। शास्त्रों में ये भी कहा गया है। सोमलिंग नरो दृष्ट्वा सर्वपापैरू प्रमुच्यते। लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतरू स्वर्गं समाश्रयेत्द अर्थात, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वे पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है। दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था। वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था।

नरेन्द्र मोदी

सोमनाथ... यह शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिष्लग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है... सौराष्ट्रे सोमनाथं च... यानी ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। यह इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है। शास्त्रों में ये भी कहा गया है। सोमलिंग नरो दृष्ट्वा सर्वपापैरू प्रमुच्यते। लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतरू स्वर्गं समाश्रयेत्द अर्थात, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वे पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है। दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था। वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था। सोमनाथ हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है। फिर भी, 1000 वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनरूनिर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई, 1951 को इस मंदिर का पुनघ्निर्माण सम्पन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वह समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे। 1026 में 1000 वर्ष पहले सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्त्रोतों में विस्तार से मिलता है। जब इन्हें पढ़ा जाता है तो हृदय कांप उठता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, यह ऐसा दुख है जिसकी पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है। सोमनाथ पर हमले और फिर गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से यह कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं, यह पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान, हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है। 1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार-बार सोमनाथ पर आक्रमण करने के लिए उकसाया। यह हमारे लोगों और हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था। लेकिन हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं, जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया। और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुनरू जीवंत किया। साल 1026 के हजार साल बाद आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत

आधार बनकर खड़ा है। वह आज भी हमारी प्रेरणा का स्रोत, हमारी शक्ति का पुंज है। हमारा सौभाग्य है कि हमने उस धरती पर जीवन पाया है, जिसने देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति को जन्म दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का पुण्य प्रयास किया कि श्रद्धालु सोमनाथ में पूजा कर सकें। 1890 के दशक में स्वामी विवेकानंद भी सोमनाथ आए थे, वह अनुभव उन्हें भीतर तक आंदोलित कर गया। 1897 में चेन्नई में दिए गए एक व्याख्यान के दौरान उन्होंने कहा था, दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिर और गुजरात के सोमनाथ जैसे मंदिर आपको ज्ञान के अनगिनत पाठ सिखाएंगे। ये आपको किसी भी संख्या में पढ़ी गई पुस्तकों से अधिक हमारी सभ्यता की गहरी समझ देंगे। इन मंदिरों पर सैंकड़ों आक्रमणों के निशान हैं और सैंकड़ों बार इनका पुनर्जागरण हुआ है। ये बार बार नष्ट किए गए और हर बार अपने ही खंडहरों से फिर खड़े हुए, पहले की तरह सशक्त। पहले की तरह जीवंत। यही राष्ट्रीय मन है, यही राष्ट्रीय जीवन धारा है। इसका अनुसरण आपको गौरव से भर देता है। इसको छोड़ देने का मतलब है, मृत्यु। इससे अलग हो जाने पर विनाश ही होगा। आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का पवित्र दायित्व सरदार वल्लभभाई पटेल के सक्षम हाथों में आया। 1947 में दीवाली के समय उनकी सोमनाथ यात्रा हुई। उस यात्रा के अनुभव ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, उसी समय उन्होंने घोषणा की कि यहीं सोमनाथ मंदिर का पुनघ्निर्माण होगा। अंततरू 11 मई, 1951 को सोमनाथ में भव्य मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वह नहीं चाहते थे कि माननीय राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया। सोमनाथ मंदिर का कोई भी उल्लेख के.एम. मुंशी जी के योगदानों को याद किए बिना अधूरा है। उन्होंने उस समय सरदार पटेल का प्रभावी रूप से समर्थन किया था। सोमनाथ पर उनका कार्य, विशेष रूप से उनकी पुस्तक सोमनाथ, द श्राइन इटरनल अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। हम विश्वास करते हैं- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकरू। सोमनाथ का भौतिक ढांचा नष्ट हो गया लेकिन उसकी चेतना अमर रही। इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। वह हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है।

वेनेजुएला: ट्रंप का असली चेहरा सामने आया

> फिर पता चला कि ऐसे कोई हथियार इराक में थे ही नहीं। शायद अमेरिका को हथियारों की तलाश थी भी नहीं, उसे इराक के प्राकृतिक संसाधनों का कब्जा चाहिए था, जो उसे मिल गया। यही खेल अब वेनेजुएला में खेला गया है।डोनाल्ड ट्रंप ने निकोलस मादुरो पर गलत तरीके से सत्ता हथियाने का आरोप लगाने के साथ ड्रग्स तस्करी के गंभीर आरोप भी लगाए हैं और उनका कहना है कि अब मादुरो को पत्नी समेत अमेरिका की कड़ी न्याय व्यवस्था का सामना करना पड़ेगा। मानो सारी दुनिया का ठेका अमेरिका को मिल चुका है कि उसका राष्ट्रपति जब चाहे किसी संप्रभु देश पर आक्रमण कर दे और वहां के नेता को अमेरिकी कटघरे में खड़ा कर दे। और अंतरराष्ट्रीय कानूनों, स्त्री अधिकार को ठेंगा दिखाते हुए राष्ट्र प्रमुख के साथ उनकी पत्नी को भी गिरफ्तार कर ले। चिंता की बात यह है कि दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जिन उद्देश्यों के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था को बनाया गया था, वह पूरी तरह नख-दंत विहीन और लाचार बन चुकी है। घर के अशक्त बूढ़े बुर्जुग उपद्रवी बच्चों को मत लड़ो-मत लड़ो जैसी लाचारगी भरी नसीहत देते हैं, वैसा ही हाल संरा का हो चुका है। पूरी दुनिया में अमेरिका समर्थित हमले हो रहे हैं और संरा बयान जारी करने से आगे बढ़ ही नहीं पा रहा है। इससे बेहतर है कि संरा को मिटा कर नए सिरे से कोई ऐसी वैश्विक संस्था बनाई जाए, जो वाकई दुनिया में शांति स्थापना का काम कर सके। लेकिन इसकी पहल कौन करेगा ये भी विचारणीय है। एक वक्त था जब भारत में प.जवाहरलाल नेहरू जैसे नेता थे, जिन्होंने गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत दिया तो तीसरी दुनिया के देशों को अपने अस्तित्व और सम्मान को बचाए रखने के लिए नया मंच मिला।

शांति का नोबेल पुरस्कार हासिल करने की तमन्ना लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑपेरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व चलाकर वेनेजुएला पर शनिवार स्थानीय समय के अनुसार 02.01 बजे हमला करके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस समेत गिरफ्तार कर लिया और उन्हें हवाई मार्ग से अमेरिका ले आया गया। अमेरिकी विमान से मादुरो को जब उतारा जा रहा था तो उनकी आंखों पर पट्टी बंधी थी और हथकड़ियां भी लगी थीं। यह दृश्य देखकर इतिहास खुद को दोहराता है, वाली मिसाल याद आ गई। लेकिन यह नहीं पता था कि इतिहास इतनी जल्दी दोहराया जाएगा। अभी 21वीं सदी शुरू ही हुई थी कि इराक पर अमेरिका ने विनाशकारी हथियारों की तलाश के नाम पर आक्रमण किया और तत्कालीन शासक सद्दाम हुसैन को गिरफ्तार कर फांसी पर भी चढ़ा दिया। फिर पता चला कि ऐसे कोई हथियार इराक में थे ही नहीं। शायद अमेरिका को हथियारों की तलाश थी भी नहीं, उसे इराक के प्राकृतिक संसाधनों का कब्जा चाहिए था, जो उसे मिल गया। यही खेल अब वेनेजुएला में खेला गया है।डोनाल्ड ट्रंप ने निकोलस मादुरो पर गलत तरीके से सत्ता हथियाने का आरोप लगाने के साथ ड्रग्स तस्करी के गंभीर आरोप भी लगाए हैं और उनका कहना है कि अब मादुरो को पत्नी समेत अमेरिका की कड़ी न्याय व्यवस्था का सामना करना पड़ेगा। मानो सारी दुनिया का ठेका अमेरिका को मिल चुका है कि उसका राष्ट्रपति जब चाहे किसी संप्रभु देश पर आक्रमण कर दे और वहां के नेता को अमेरिकी कटघरे में खड़ा कर दे। और अंतरराष्ट्रीय कानूनों, स्त्री अधिकार को ठेंगा दिखाते हुए राष्ट्र प्रमुख के साथ उनकी पत्नी को भी गिरफ्तार कर ले। चिंता की बात यह है कि दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जिन उद्देश्यों के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था को बनाया गया था, वह पूरी तरह नख-दंत विहीन और लाचार बन चुकी है। घर के अशक्त बूढ़ेबुर्जुग उपद्रवी बच्चों को मत लड़े-मत लड़े जैसी लाचारगी भरी नसीहत देते हैं, वैसा ही हाल संरा का हो चुका है। पूरी दुनिया में अमेरिका समर्थित हमले हो रहे हैं और संरा बयान जारी करने से आगे बढ़ ही नहीं पा रहा है। इससे बेहतर है कि संरा को मिटा कर नए सिरे से कोई ऐसी वैश्विक संस्था बनाई जाए, जो वाकई दुनिया में शांति स्थापना का काम कर सके। लेकिन इसकी पहल कौन करेगा ये भी विचारणीय है। एक वक्त था जब भारत में प.जवाहरलाल नेहरू जैसे नेता थे, जिन्होंने गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत दिया तो तीसरी दुनिया के देशों को अपने अस्तित्व और सम्मान को बचाए रखने के लिए नया मंच मिला। आज के भारत का हाल तो ऐसा है कि ट्रंप पचासों बार पाकिस्तान के समकक्ष हमें रखते हुए युद्धविराम के दावे कर चुके हैं और प्रधानमंत्री मोदी माई डियर फ्रेंड ट्रंप का नाम ही जपते रहे। अब भी वेनेजुएला के घटनाक्रम पर नरेन्द्र मोदी की कोई सीधी टिप्पणी देखने नहीं मिली है, बल्कि एस जयशंकर का बयान आया है कि हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि मुद्दों का समाधान बातचीत के जरिए और शांतिपूर्ण तरी$के से किया जाए, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे।भारत को बताना चाहिए कि सभी संबंधित पक्षों से उसका तात्पर्य क्या है। क्यों मोदी पहले चीन का नाम लेने से कतरा रहे थे और अब अमेरिका को सीधे नहीं कह रहे कि उसका इस तरह आक्रमण करना गलत है। मान लें कि निकोलस मादुरो ने अपने देश में कुछ गलत किया है या वैश्विक स्तर पर किसी अपराध में संलग्न हैं, तो उन पर कार्रवाई के लिए उनके अपने देश की न्याय व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय अदालत है। ट्रंप यहां किस हैसियत से घुसे हैं।ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा ने बिल्कु ल ठीक कहा है कि वेनेजुएला के नेता को हिंसक तरीके से पकड़ना श्पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक और बेहद खतरनाक मिसालश है। क्यूबा ने कहा कि वेनेजुएला पर किए गए आपराधिक हमले की निंदा करता है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तुरंत कार्रवाई की मांग करता है। रूस ने भी इस हमले को गलत बताया है वहीं चीन ने कहा है कि एक संप्रभु देश के खिलाफ अमेरिका के खुलेआम बल प्रयोग और उसके राष्ट्रपति के खिलाफ कार्रवाई से वह बहुत हैरान है और इसकी कड़ी निंदा करता है। भारत ऐसी खुली आलोचना क्यों नहीं कर पाया, यह चिंताजनक प्रश्न है। क्योंकि इस तरह हम भी अमेरिका की आक्रमणकारी, विस्तारवादी नीति के हिमायती बन रहे हैं, जिसकी इजाज़त हमारी विदेश नीति नहीं देती है।

दूषित जल और राजनीति के घंटे से निपटने का वक्त

> इंदौर केंद्र सरकार की स्मार्ट सिटी परियोजना के पहले चरण के 20 लाइटहाऊस शहरों में से एक है। 28 फरवरी 2016 को इसे भारत का सबसे स्वच्छ और सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट शहर चुना गया था। सितम्बर 2023 में सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी का खिताब हासिल किया। केंद्र सरकार के हर साल कराए जाने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण में लगातार 8 वर्ष से देश का सबसे स्वच्छ शहर के रूप में दर्ज किया जा रहा है। मौत की वजह कोई रातों-रात हुई घटना नहीं। दूषित पेयजल की शिकायतें लगातार भागीरथपुरा के इलाके के लोगों द्वारा की जा रही थीं। मगर सरकार एक के बाद एक कई मौतें होने के बाद ही जागी। गंदे पानी की शिकायतों को अनदेखा करने और पाइपलाइन की टैंडर प्रक्रिया पर नजर न रखने के लिए निगम आयुक्त दिलीप यादव को हटा दिया गया है। पाइप लाइन बदलने के लिए अगस्त में हुए टैंडर को दबा कर रखने के लिए अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया को निलंबित कर दिया गया है। इतना ही नहीं, गंदे पानी की शिकायतों पर कार्रवाई न करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव सहित 5 अधिकारी निलंबित किए गए हैं। मगर 4 महीने तक क्षेत्र की जनता की शिकायतों पर ध्यान न देने वाले पार्षद कमल वाघेला, जनता की शिकायतों पर कोई कदम न उठाने वाले महापौर पुष्यमित्र भार्गव और जलकार्य प्रभारी बबलू शर्मा पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस तरह राजनीति की मोटी खाल कवच की तरह भी काम करती है। लेकिन मध्य प्रदेश के ताकतवर शहरी आवास विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस घटना में एक पत्रकार से बातचीत करते हुए जैसे घंटा शब्द का इस्तेमाल किया, वह न केवल शर्मनाक है, बल्कि शासक दल भाजपा के लिए भी चुनौती है कि वह ऐसे बदजुबानी मंत्री की बातों को झेलते रहेंगे और भाजपा पर दाग लगाते रहेंगे। अब आइए तथ्यों की बात कर लें।

मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पेयजल से 19 लोगों की मौत हो चुकी है। 200 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया है। हालांकि मध्य प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में जो रिपोर्ट पेश की, उसमें सिर्फ 4 लोगों की मौत दूषित पानी से होने की बात कही गई। राजनीति के अपने पर्दे होते हैं। इस पदार्दारी में भ्रष्टाचार जैसे कई अपराध पूरे संरक्षण से पलते हैं और इन पर ध्यान तभी जाता है, जब लोगों की जान पर बन आती है। इंदौर केंद्र सरकार की स्मार्ट सिटी परियोजना के पहले चरण के 20 लाइटहाऊस शहरों में से एक है। 28 फरवरी 2016 को इसे भारत का सबसे स्वच्छ और सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट शहर चुना गया था। सितम्बर 2023 में सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी का खिताब हासिल किया। केंद्र सरकार के हर साल कराए जाने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण में लगातार 8 वर्ष से देश का सबसे स्वच्छ शहर के रूप में दर्ज किया जा रहा है। मौत की वजह कोई रातों-रात हुई घटना नहीं। दूषित पेयजल की शिकायतें लगातार भागीरथपुरा के इलाके के लोगों द्वारा की जा रही थीं। मगर सरकार एक के बाद एक कई मौतें होने के बाद ही जागी। गंदे पानी की शिकायतों को अनदेखा करने और पाइपलाइन की टैंडर प्रक्रिया पर नजर न रखने के लिए निगम आयुक्त दिलीप यादव को हटा दिया गया है। पाइप लाइन बदलने के लिए अगस्त में हुए टैंडर को दबा कर रखने के लिए अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया को निलंबित कर दिया गया है। इतना ही नहीं, गंदे पानी की शिकायतों पर कार्रवाई न करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव सहित 5 अधिकारी निलंबित किए गए हैं। मगर 4 महीने तक क्षेत्र की जनता की शिकायतों पर ध्यान न देने वाले पार्षद कमल वाघेला, जनता की शिकायतों पर कोई कदम न उठाने वाले महापौर पुष्यमित्र भार्गव और जलकार्य प्रभारी बबलू शर्मा पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस तरह राजनीति की मोटी खाल कवच की तरह भी काम करती है। लेकिन मध्य प्रदेश के ताकतवर शहरी आवास विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस घटना में एक पत्रकार से बातचीत करते हुए जैसे घंटा शब्द का इस्तेमाल किया, वह न केवल शर्मनाक है, बल्कि शासक दल भाजपा के लिए भी चुनौती है कि वह ऐसे बदजुबानी मंत्री की बातों को झेलते रहेंगे और भाजपा पर दाग लगाते रहेंगे। अब आइए तथ्यों की बात कर लें। पीने के लिए सप्लाई

किए गए पानी के सैंपलों की जांच रिपोर्ट में इंसानों और जानवरों के मल में पाए जाने वाले बैक्टीरिया समूह फीकल कॉलिफॉर्म, ई-कोलाई, विब्रियो और प्रोटोजोआ पाए गए हैं। विब्रियो केलोरी से हैजा फैलता है। किसी पानी में फीकल कोलीफॉर्म की उच्च मात्रा का मतलब है कि पानी पीने या नहाने अथवा किसी भी तरह के इस्तेमाल के लिए असुरक्षित है। सरकारी तंत्र इस पर भी पर्दा डालने में जुटा है। इतनी मौतों के बाद भी सच को नकारने के लिए इसे प्रारंभिक रिपोर्ट कहकर टालने की कोशिश की जा रही है। एक समय था, जब ऑडिट रिपोर्ट मीडिया में सुर्खियां बनती थी। उन पर कार्रवाई भी होती थी। शायद यह तत्परता बहुत से लोगों की जान बचाने में भी सहायक थी। मगर अब तो कैग रिपोर्ट कब आती है और कब जाती है, मीडिया में कहीं बहुत सुर्खियां नहीं दिखतीं। सूचना की ताकत को कम करना पूरे सिस्टम और देश को खतरे में डालने वाली खतरनाक प्रवृति है। शहरी जल आपूर्ति की गुणवत्ता सुधारने के लिए एशिया विकास बैंक ने वर्ष 2004 में मध्य प्रदेश के 4 शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर के लिए 25 करोड़ डालर (लगभग 2400 करोड़ रुपए) की ऋण मदद दी थी। इसका उद्देश्य शहर के हर नागरिक तक पानी पहुंचाना था। वर्ष 2019 में भोपाल और इंदौर में जल प्रबंधन पर कैग की रिपोर्ट आई थी, जिसमें इन दोनों शहरों में जलापूर्ति में गंभीर खामियां इंगित की गई थीं। मगर इस रिपोर्ट के आने के बाद कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि नगर निगम लीकेज की किसी भी समस्या को दूर करने में 22 से 108 दिन लगाता है। वर्ष 2013 से 2018 के बीच 4481 पेयजल नमूने पीने योग्य नहीं पाए गए। इस अवधि में दोनों शहरों में 5.45 लाख मामले जलजनित बीमारियों के दर्ज किए गए। इनमें डायरिया सबसे आगे थी। दोनों शहरों में जलकर के रूप में 470 करोड़ रुपए जनता से लिए जाते हैं। जहां से पानी सप्लाई होता है, पानी की वे टंकियां नियमित रूप से साफ नहीं की जातीं। देश के ज्यादातर शहरों में यह समस्या है, यहां तक कि देश की राजधानी में भी। राजधानी दिल्ली के जनकपुरी के ए-1 ब्लॉक में गंदे पानी की आपूर्ति का मामला राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.) में विचाराधीन है। राजधानी के जिन इलाकों से दूषित पेयजल की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, उनमें जनकपुरी, भलस्वा,नारंग कॉलोनी, अशोक नगर जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इस बीच दिल्ली जल बोर्ड ने पिछले महीने 11 दिसम्बर से 18 दिसम्बर के बीच विभिन्न जल शोधन संयंत्रों के कमान क्षेत्र से कुल 3203 पानी के सैंपल जांच के लिए लिए थे। इनमें 33 असंतोषजनक पाए गए। एक और रिपोर्ट हमें परेशान करने के लिए पर्याप्त है। इसके मुताबिक देश में पानी की गुणवत्ता के मामले में हम बहुत पीछे हैं।

अपने बर्थडे पर दीपिका ने शुरू की नई पहल

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का आज बर्थडे है। 5 जनवरी को एक्ट्रेस अपना 40वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। वहीं, अपने जन्मदिन के खास मौके पर दीपिका ने युवा क्रिएटिव टैलेंट को आगे बढ़ाने के लिए एक नई पहल शुरू की है। एक्ट्रेस ने सच्ची कहानियों और नए टैलेंट को आगे बढ़ाने के लिए द ऑनसेट प्रोग्राम की शुरूआत का ऐलान किया है। द ऑनसेट प्रोग्राम दीपिका पादुकोण के क्रिएट विद मी प्लेटफॉर्म का अगला कदम है, जिसका मकसद ऐसे नए क्रिएटिव आर्टिस्ट्स को मौका देना है जो इंडियन फिल्म, टीवी और विज्ञापन की दुनिया में अपना करियर बनाना चाहते हैं, ऐसे में उनकी टैलेंट देखी जाए, सुनी जाए और सही मायनों में सामने आ सके इसलिए यह प्लेटफॉर्म बनाया गया है।

अपने बर्थडे पर दीपिका ने शुरू की नई पहल

लॉन्च किया द ऑनसेट प्रोग्राम, नए कलाकारों का पूरा होगा सपना

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का आज बर्थडे है। 5 जनवरी को एक्ट्रेस अपना 40वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। वहीं, अपने जन्मदिन के खास मौके पर दीपिका ने युवा क्रिएटिव टैलेंट को आगे बढ़ाने के लिए एक नई पहल शुरू की है। एक्ट्रेस ने सच्ची कहानियों और नए टैलेंट को आगे बढ़ाने के लिए द ऑनसेट प्रोग्राम की शुरूआत का ऐलान किया है। द ऑनसेट प्रोग्राम दीपिका पादुकोण के क्रिएट विद मी प्लेटफॉर्म का अगला कदम है, जिसका मकसद ऐसे नए क्रिएटिव आर्टिस्ट्स को मौका देना है जो इंडियन फिल्म, टीवी और विज्ञापन की दुनिया में अपना करियर बनाना चाहते हैं, ऐसे में उनकी टैलेंट देखी जाए, सुनी जाए और सही मायनों में सामने आ सके इसलिए यह प्लेटफॉर्म बनाया गया है।

दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, ह्लपिछले एक साल से मैं देश और उसके बाहर से बेहतरीन क्रिएटिव टैलेंट को पहचानने और उन्हें देखने, सुनने और अनुभव करने का मंच देने को लेकर बहुत गहराई से महसूस कर रही हूं। द ऑनसेट प्रोग्राम के लॉन्च का ऐलान करते हुए मैं बेहद खुश हूं और अगली पीढ़ी के क्रिएटिव टैलेंट से आप सभी को मिलवाने का मुझे बेसब्री से इंतजार है।

यह प्रोग्राम जहां अच्छे और होनहार लोगों को सीखने के मौके देगा, वहीं उन लोगों के लिए भी आगे बढ़ने का मंच बनेगा जिनके पास अपने प्रोजेक्ट को संभालने का अनुभव और हुनर है। इसके पहले चरण में लिखना, निर्देशन, कैमरा, लाइट, एडिटिंग, साउंड, आर्ट, कपड़ों की डिजाइन, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप और प्रोडक्शन जैसे काम शामिल होंगे।

गहरी होगी विपुल अमृतलाल शाह की बियॉन्ड द केरल स्टोरी की कहानी

विपुल अमृतलाल शाह और सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड ने अपनी सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्म द केरल स्टोरी 2, जिसका आधिकारिक टाइटल बियॉन्ड द केरल स्टोरी है, की रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। यह फिल्म 27 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। एक बार फिर यह कहानी असली जिंदगी से जुड़ी सच्ची बातें दिखाती है। इसमें असली पीड़ितों की आवाज, सबके सामने होते हुए भी छिपी सच्चाइयाँ और हमारे ही आसपास की कहानियाँ सामने आती हैं। नई कलाकारों को मुख्य किरदारों में लिया गया है, जिनका अभिनय बहुत सरल, सच्चा और भारत की जमीनी हकीकत से जुड़ा हुआ लगता है। सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड ने फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान करते हुए एक मोशन पोस्टर शेयर किया। पोस्टर पर लिखा था। 2023 में रिलीज हुई द केरल स्टोरी ने पूरे देश में खूब चर्चा बटोरी थी और बेस्ट डायरेक्टर और बेस्ट सिनेमेटोग्राफी के लिए नेशनल अवॉर्ड भी जीता था। वहीं बियॉन्ड द केरल स्टोरी एक बार फिर मजबूत कहानी लेकर आने वाली है, जो कहानी और बड़े स्तर पर पहले से भी ज्यादा असरदार होगी। हाल के समय में सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फ्रेंचाइज में शामिल बियॉन्ड द केरल स्टोरी को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है और इसे 2026 की सबसे बड़ी सिनेमाघर रिलीज में से एक माना जा रहा है। इस बार यह फिल्म भारत के अलग-अलग हिस्सों की सच्ची कहानियों पर आधारित है। विपुल अमृतलाल शाह के बैनर सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड के तहत बनी बियॉन्ड द केरल स्टोरी का डायरेक्शन नेशनल अवॉर्ड विनर कामाख्या नारायण सिंह ने किया है और इसे आशीष ए शाह ने को-प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 27 फरवरी 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।

पति अभिषेक और बेटी आराध्या संग न्यू ईयर वेकेशन से अपने देश लौटी ऐश्वर्या राय, वीडियो में दिखा फैमिली बॉन्ड

एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय पिछले साल यानी 2025 के अंत में पति अभिषेक बच्चन और बेटी आराध्या बच्चन संग न्यू ईयर वेकेशन के लिए न्यूयॉर्क रवाना हुई थीं, जहां तीनों ने जमकर नए साल का जश्न मनाया। वहीं, अब यह फैमिली न्यू ईयर वेकेशन के बाद अपने वतन यानी इंडिया वापस लौट आई है। हाल ही में एक्ट्रेस को उनके पति और बेटी संग एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। एयरपोर्ट लुक की बात करें तो इस दौरान ऐश्वर्या, अभिषेक और आराध्या तीनों ही ब्लैक कलर के आउटफिट्स में नजर आए। ब्लैक ट्रैक पैंट और स्वेटशर्ट में तीनों की ट्विनिंग फैंस को काफी पसंद आई। अभिषेक और ऐश्वर्या ने एक जैसी ब्लैक कैप पहनी, जिससे उनका कोऑर्डिनेटेड लुक और भी स्टाइलिश लगा। इस दौरान अभिषेक आगे-आगे नजर आए, जबकि ऐश्वर्या और आराध्या उनके पीछे दिखीं।

वीडियो में तीनों बेहद रिलैक्स्ड और खुश मूड में दिखाई दिए। खास तौर पर अभिषेक को पत्नी ऐश्वर्या और बेटी आराध्या के साथ हंसी-मजाक करते देखा गया। इससे साफ था कि परिवार ने क्रिसमस और न्यू ईयर की छुट्टियां बेहद सुकून और खुशी के साथ बिताईं।

वीकेंड के दौरान न्यूयॉर्क से ऐश्वर्या और अभिषेक के कई वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। इन क्लिप्स में ऐश्वर्या फैंस के साथ पोज देती नजर आई थीं। वहीं अभिषेक भी फैंस के साथ तस्वीरें खिंचवाते और कैमरे के सामने अपनी चिर-परिचित मुस्कान बिखेरते दिखे थे। काम की बात करें तो अभिषेक बच्चन इन दिनों शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग की तैयारी में जुटे हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में वह निगेटिव रोल निभाते नजर आ सकते हैं। फिल्म में सुहाना खान, दीपिका पादुकोण और रानी मुखर्जी जैसे बड़े सितारे भी अहम भूमिकाओं में शामिल हैं और इसे इसी साल रिलीज किए जाने की संभावना है। वहीं ऐश्वर्या राय फिलहाल फिल्मों से दूर हैं और उनकी अगली फिल्म को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

एक्सेल एंटरटेनमेंट में यूनिवर्सल म्यूजिक इंडिया का बड़ा कदम, हुई बड़ी पार्टनरशिप की शुरूआत

यूनिवर्सल म्यूजिक इंडिया (यूएमआई), जो दुनिया की सबसे बड़ी म्यूजिक कंपनी यूनिवर्सल म्यूजिक ग्रुप (यूएमजी) का हिस्सा है, ने भारत की जानी-मानी फिल्म और डिजिटल कंटेंट प्रोडक्शन कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ एक अहम रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस डील के तहत एक्सेल एंटरटेनमेंट की वैल्यूएशन 2,400 करोड़ (लगभग • 257 मिलियन) तय की गई है, जिसमें यूएमआई को 30 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलेगी। इस समझौते से भारत में यूएमजी की मौजूदगी और मजबूत होगी, वहीं एक्सेल को अपने क्रिएटिव और बिजनेस विस्तार के लिए नया ग्लोबल प्लेटफॉर्म मिलेगा। इस साझेदारी के तहत यूनिवर्सल म्यूजिक ग्रुप को एक्सेल एंटरटेनमेंट के स्वामित्व या नियंत्रण वाले सभी भविष्य के प्रोजेक्ट्स के ओरिजिनल साउंडट्रैक्स के ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन और रिलीज अधिकार प्राप्त होंगे। इसके अलावा, दोनों कंपनियां मिलकर एक नया एक्सेल म्यूजिक लेबल भी लॉन्च करेंगी, जिसके गानों को यूएमजी दुनिया भर में डिस्ट्रीब्यूट करेगा। यही नहीं, यूनिवर्सल म्यूजिक पब्लिशिंग ग्रुप को एक्सेल एंटरटेनमेंट का एक्सक्लूसिव म्यूजिक पब्लिशिंग पार्टनर बनाया गया है। इस साझेदारी से यूएमजी और यूएमआई के मौजूदा कलाकारों और क्रिएटर्स को एक्सेल की आने वाली फिल्मों और डिजिटल प्रोजेक्ट्स में काम करने के नए अवसर मिलेंगे, जिससे म्यूजिक और स्टोरीटेलिंग के बीच का रिश्ता और मजबूत होगा। यूनिवर्सल म्यूजिक इंडिया और साउथ एशिया के चेयरमैन और सीईओ देवराज सान्याल इस समझौते के तहत एक्सेल एंटरटेनमेंट के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल होंगे। हालांकि, एक्सेल के फाउंडर्स रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर कंपनी की क्रिएटिव दिशा और कंटेंट से जुड़े सभी प्रमुख फैसलों का नेतृत्व करते रहेंगे। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने इस साझेदारी पर खुशी जताते हुए कहा कि भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री तेजी से बदल रही है और यह सही समय है कि भारतीय कहानियों को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों की जाए। उन्होंने कहा कि यूएमजी के साथ

यह सहयोग क्रिएटिव रूप से बेहद प्रेरणादायक और बदलाव लाने वाला साबित होगा, जिससे म्यूजिक, फिल्म और नए फॉर्मेट्स में कलाकारों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। एक्सेल एंटरटेनमेंट के सीईओ विशाल रामचंदानी ने कहा कि यह साझेदारी एक्सेल के सफर में एक बड़ा पड़ाव है। उनका मानना है कि यूएमजी के साथ मिलकर एक्सेल भारतीय कहानियों को वैश्विक दृष्टिकोण से पेश कर सकेगा और कंपनी को एक क्रिएटिव ग्लोबल स्टूडियो के रूप में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। यूएमजी के अफ्रीका, मिडल ईस्ट और एशिया क्षेत्र के सीईओ एडम ग्रेनाइट ने कहा कि यह निवेश भारत जैसे तेजी से बढ़ते और रणनीतिक रूप से अहम म्यूजिक मार्केट में यूएमजी की स्थिति को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि ओरिजिनल साउंडट्रैक्स भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री का अहम हिस्सा हैं और एक्सेल के साथ साझेदारी से यूएमजी को प्रोजेक्ट्स के शुरूआती चरण से ही क्रिएटिव प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

मिस्ट्री मैन के साथ तस्वीर साझा करके जिया शंकर ने किया पब्लिसिटी स्टंट? टीम ने आधिकारिक तौर पर दी सफाई

अभिनेत्री जिया शंकर की मिस्ट्री मैन के साथ तस्वीर साझा करने के बाद से ही सोशल मीडिया पर कई तरह री अटकलें लगाई जा रही हैं। ऐसा भी कहा जा रहा है कि अभिनेत्री अपने किसी नए प्रोजेक्ट के लिए पब्लिसिटी स्टंट कर रही हैं। अब इस पर उनकी टीम की ओर से सफाई पेश की है। टीवी और ओटीटी की दुनिया में पहचान बना चुकीं अभिनेत्री जिया शंकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका कोई नया प्रोजेक्ट नहीं बल्कि उनकी निजी जिंदगी को लेकर उठी चचाएं हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर जिया की एक तस्वीर सामने आई, जिसमें वह एक मिस्ट्री मैन के साथ नजर आईं। बस फिर क्या था- फैंस और गॉसिप गलियारों में कयासों का दौर शुरू हो गया। इसके बाद ये भी अटकलें लगीं कि जिया ने जानबूझकर पब्लिसिटी के लिए मिस्ट्री मैन के साथ तस्वीर साझा की है। जिया और अभिषेक को लेकर उड़ी थीं अफवाहें दरअसल, यह चर्चा ऐसे समय पर शुरू हुई जब जिया शंकर और 'बिग बॉस ओटीटी 2' के चर्चित कंटेस्टेंट अभिषेक मल्हान उर्फ फुकरा इंसान को लेकर पहले से ही रिलेशनशिप और सगाई की अफवाहें उड़ रही थीं। दोनों ने रियलिटी शो में साथ हिस्सा लिया था और एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आए थे, जिसके बाद उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। हालांकि, जिया और अभिषेक दोनों ही पहले इन खबरों को खारिज कर चुके हैं और खुद को सिर्फ अच्छा दोस्त बताया है। अफवाहों ने फिर से जोर पकड़ा मिस्ट्री मैन के साथ तस्वीर सामने आने के बाद अफवाहों ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया। इसी के चलते अब जिया शंकर की टीम को सामने आकर स्थिति साफ करनी पड़ी। अभिनेत्री की टीम ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए साफ कहा कि जिया किसी भी तरह के पब्लिसिटी स्टंट या बनावटी कहानियों का हिस्सा नहीं बनतीं। पब्लिसिटी रूमर्स पर आया टीम का रिएक्शन टीम के मुताबिक, जिया शंकर एक ऐसी कलाकार हैं, जिनका काम खुद उनकी पहचान है।

लोका की सफलता के बाद अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कल्याणी प्रियदर्शन?

रणवीर सिंह के साथ आएंगी नजर

लोका चैप्टर 1 से सुर्खियां बटोरने वाली कल्याणी प्रियदर्शन के अब बॉलीवुड में डेब्यू करने की चचाएं हैं। कल्याणी रणवीर सिंह के साथ बॉलीवुड में कदम रख सकती हैं। जानिए क्यों उठीं ये चचाएं और क्या है इसके पीछे की सच्चाई अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन ने साल 2025 में सुपरहिट मलयालम फिल्म लोका चैप्टर 1ः चंद्रा में अपने अभिनय से काफी सुर्खियां बटोरीं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों ने ही पसंद किया था। लोका की सफलता के बाद अब ऐसा लगता है कि कल्याणी बॉलीवुड में भी अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इसके लिए वो काफी उत्साहित हैं। जानिए क्या है पूरी सच्चाई और क्यों कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की हो रही है चर्चा इंस्टाग्राम स्टोरी से उठी चचाएं ऐसी चचाएं उठ रही हैं कि कल्याणी प्रियदर्शन जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर सकती हैं। चचाएं ये भी हैं कि कल्याणी रणवीर सिंह की आगामी फिल्म प्रलय से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन ये चचाएं तेज हुईं कल्याणी की एक इंस्टाग्राम स्टोरी के चलते। दरअसल, हाल ही में कल्याणी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की और 'प्रलय' के निर्देशक जय मेहता को टैग किया। ये तस्वीर जोस सारामागो द्वारा लिखित उपन्यास 'ब्लाइंडनेस' की थी। इसे कल्याणी आजकल पढ़ रही हैं। कल्याणी ने इस गिफ्ट के लिए जय को धन्यवाद दिया। अपनी स्टोरी में जय को टैग करने के बाद से ही कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की चचाएं तेज हो गई हैं। यह है 'ब्लाइंडनेस' की कहानी

कल्याणी के नॉवेल 'ब्लाइंडनेस' की तस्वीर शेयर करने से उनके प्रलय में नजर आने की चचाएं इसलिए भी उठ रही हैं, क्योंकि इस किताब में हानि, दिशाहीनता और कमजोरी की एक इमोशनल कहानी है। किताब में एक शहर 'श्वेत अंधापन' (ह्रँशे इ'ल्लल्लिी२२) की महामारी की चपेट में आ जाता है। जिसके शिकार एक खाली मानसिक अस्पताल में बंद कर दिए जाते हैं। जबकि इस भयावह घटना का एकमात्र चश्मदीद गवाह सात अजनबी लोगों को इस बंजर शहरी परिदृश्य में रास्ता दिखाता है।

मुकेश छाबड़ा कर रहे प्रलय पर काम

इन अटकलों के बीच मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने पर एक पोस्ट में खुलासा किया कि वह 'प्रलय' पर काम कर रहे हैं। उनके ट्वीट से कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की अफवाहों की ओर इशारा मिला। उन्होंने ट्वीट किया, प्रलय शुरू करने का बेसब्री से इंतजार है। बहुत उत्साहित हूं।

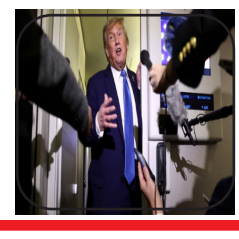

यूक्रेन ने पुतिन के आवास पर नहीं किया ड्रोन हमला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के उस दावे को खारिज किया है, जिसमें कहा गया था कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर ड्रोन हमला किया था। यूक्रेन-रूस युद्ध के बीच ड्रोन हमले को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। रूस के इस दावे पर कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सरकारी आवास को निशाना बनाया था, अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ इनकार किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के आकलन में ऐसा कोई हमला नहीं हुआ। एयर फोर्स वन में सवार होकर वॉशिंगटन लौटते समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों ने जांच के बाद निष्कर्ष निकाला है कि यूक्रेन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के किसी भी आवास को ड्रोन हमले में निशाना नहीं बनाया। ट्रंप का यह बयान रूस के उस दावे के विपरीत है, जिसमें रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा था कि यूक्रेन ने पिछले हफ्ते उत्तर-पश्चिमी नोवगोरोड क्षेत्र में स्थित पुतिन के सरकारी आवास पर ड्रोन हमले किए थे, जिन्हें रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया। ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा मुझे नहीं लगता कि ऐसा कोई हमला हुआ। शांति वार्ता के बीच आरोप यह आरोप ऐसे समय पर सामने आया था, जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की शांति वार्ता को लेकर फ्लोरिडा में ट्रंप से मुलाकात कर चुके थे। जेलेंस्की ने रूसी आरोपों को तुरंत खारिज करते हुए कहा था कि यूक्रेन का ऐसा कोई इरादा नहीं है। यूरोपीय अधिकारियों का भी मानना है कि रूस का यह दावा शांति प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिश है। हालांकि शुरूआत में ट्रंप ने रूसी दावे को गंभीरता से लिया था और कहा था कि पुतिन ने फोन कॉल में यह मुद्दा उठाया है, लेकिन बाद में उन्होंने खुद ही इस दावे पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक अमेरिकी अखबार के संपादकीय का लिंक भी साझा किया, जिसमें रूस के आरोपों को झूठा बताया गया था। डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की बात कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें ठोस सफलता नहीं मिली है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि वे इस युद्ध को एक दिन में खत्म कर सकते हैं। हालांकि रूस अब भी अपनी शर्तों पर अड़ा हुआ है, जिसमें डोनबास क्षेत्र पर पूरा नियंत्रण और यूक्रेन की सैन्य ताकत पर कड़े प्रतिबंध शामिल हैं।

यूक्रेन ने पुतिन के आवास पर नहीं किया ड्रोन हमला

ट्रंप बोले- क्रेमलिन का दावा गलत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के उस दावे को खारिज किया है, जिसमें कहा गया था कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर ड्रोन हमला किया था। यूक्रेन-रूस युद्ध के बीच ड्रोन हमले को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। रूस के इस दावे पर कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सरकारी आवास को निशाना बनाया था, अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ इनकार किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के आकलन में ऐसा कोई हमला नहीं हुआ। एयर फोर्स वन में सवार होकर वॉशिंगटन लौटते समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों ने जांच के बाद निष्कर्ष निकाला है कि यूक्रेन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के किसी भी आवास को ड्रोन हमले में निशाना नहीं बनाया। ट्रंप का यह बयान रूस के उस दावे के विपरीत है, जिसमें रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा था कि यूक्रेन ने पिछले हफ्ते उत्तर-पश्चिमी नोवगोरोड क्षेत्र में स्थित पुतिन के सरकारी आवास पर ड्रोन हमले किए थे, जिन्हें रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया। ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा मुझे नहीं लगता कि ऐसा कोई हमला हुआ। शांति वार्ता के बीच आरोप यह आरोप ऐसे समय पर सामने आया था, जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की शांति वार्ता को लेकर फ्लोरिडा में ट्रंप से मुलाकात कर चुके थे। जेलेंस्की ने रूसी आरोपों को तुरंत खारिज करते हुए कहा था कि यूक्रेन का ऐसा कोई इरादा नहीं है। यूरोपीय अधिकारियों का भी मानना है कि रूस का यह दावा शांति प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिश है। हालांकि शुरूआत में ट्रंप ने रूसी दावे को गंभीरता से लिया था और कहा था कि पुतिन ने फोन कॉल में यह मुद्दा उठाया है, लेकिन बाद में उन्होंने खुद ही इस दावे पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक अमेरिकी अखबार के संपादकीय का लिंक भी साझा किया, जिसमें रूस के आरोपों को झूठा बताया गया था। डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की बात कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें ठोस सफलता नहीं मिली है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि वे इस युद्ध को एक दिन में खत्म कर सकते हैं। हालांकि रूस अब भी अपनी शर्तों पर अड़ा हुआ है, जिसमें डोनबास क्षेत्र पर पूरा नियंत्रण और यूक्रेन की सैन्य ताकत पर कड़े प्रतिबंध शामिल हैं।

अमेरिका से भागा पूर्व प्रेमिका का हत्यारोपी तमिलनाडु में गिरफ्तार

चेन्नई (एजेंसी)। अमेरिका में रहने वाली तेलुगु मूल की 27 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी महिला निकिता गोदिशाला की हत्या के मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही तलाश खत्म हो गई है। हत्या के बाद भारत फरार हुए पूर्व बॉयफ्रेंड अर्जुन शर्मा को इंटरपोल की मदद से तमिलनाडु में गिरफ्तार किया गया। अमेरिका में एक तेलुगु महिला की हत्या कर भारत फरार हुए आरोपी की तलाश आखिरकार तमिलनाडु में खत्म हो गई। सूत्रों के मुताबिक, इंटरपोल की सहायता से पुलिस ने अर्जुन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। शर्मा पर अमेरिका में रहने वाली निकित राव गोदिशाला की हत्या का आरोप है। 27 वर्षीय निकिता राव गोदिशाला, जो मैरीलैंड में डेटा एनालिस्ट के तौर पर कार्यरत थीं, 2 जनवरी को लापता बताई गई थीं। उनके पूर्व बॉयफ्रेंड अर्जुन शर्मा ने हॉवर्ड काउंटी पुलिस से संपर्क कर दावा किया था कि उसने निकिता को आखिरी बार न्यू ईयर ईव पर देखा था। शुरूआती तौर पर दर्ज गुमशुदगी की शिकायत जल्द ही हत्या की जांच में बदल गई। आरोपी के अपार्टमेंट से मिला शव शक गहराने पर पुलिस ने कोलंबिया (मैरीलैंड) के ट्विन रिवर्स रोड स्थित शर्मा के अपार्टमेंट की तलाशी के लिए वारंट हासिल किया। 3 जनवरी को की गई तलाशी में निकिता का शव उसी अपार्टमेंट के भीतर मिला। पुलिस के अनुसार, निकिता के शरीर पर चाकू से कई वार के निशान थे, जो एक बेहद हिंसक हमले की ओर इशारा करते हैं। इसके बाद मामले को औपचारिक रूप से हत्या में तब्दील कर दिया गया। जांच एजेंसियों को आशंका है कि यह घरेलू हिंसा से जुड़ा अपराध हो सकता है। हत्या के आरोप, फरार आरोपी हत्या की पुष्टि के बाद हावर्ड काउंटी पुलिस ने अर्जुन शर्मा के खिलाफ फर्स्ट डिग्री और सेकेंड डिग्री मर्डर के आरोपों में गिरफ्तारी वारंट जारी किए। हालांकि, वारदात के बाद आरोपी अमेरिका छोड़कर भारत फरार हो गया था। हत्या के पीछे के मकसद की जांच अब भी जारी है। पेशेवर जीवन में थी पहचान निकिता फरवरी 2025 से वेदा हेल्थ में डेटा एंड स्ट्रैटेजी एनालिस्ट के तौर पर कार्यरत थीं। परिवार के करीबी सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में उन्हें कंपनी का ऑल-इन अवॉर्ड भी मिला था, जो उनके पेशेवर प्रदर्शन को दर्शाता है।

किम जोंग उन ने बढ़ा दी ट्रंप की टेंशन

हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण कर कही ये बात

सियोल (एजेंसी)। किम जोंग उन ने रविवार को हुए प्रक्षेपण अभ्यास के दौरान अपने मजबूत परमाणु कार्यक्रम के समर्थन का बचाव किया। उन्होंने कहा, 'हालिया भू-राजनीतिक संकट और जटिल अंतरराष्ट्रीय घटनाओं से यह स्पष्ट हो जाता है कि यह क्यों जरूरी है।' वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बीच उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइलों का परीक्षण किया। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि नेता किम जोंग उन ने हाइपरसोनिक मिसाइलों के परीक्षण-उड़ानों का अवलोकन किया। किम जोंग उन ने देश के परमाणु युद्ध को रोकने वाले हथियारों को बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया, क्योंकि देश अपने प्रमुख राजनीतिक सम्मेलन से पहले हथियारों के प्रदर्शन को बढ़ा रहा है। उत्तर कोरिया ने इस अभ्यास की जानकारी अपने पड़ोसी देशों की ओर से कई बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपणों का पता लगाने और उत्तर कोरिया पर उकसावे का आरोप लगाने के एक दिन बाद दी। ये परीक्षण दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ शिखर सम्मेलन के लिए चीन रवाना होने से कुछ ही घंटे पहले हुए। आक्रामक हथियार प्रणालियों को लगातार

बढ़ाएगा उत्तर कोरिया आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि रविवार को हाइपरसोनिक हथियार प्रणाली से जुड़े अभ्यास का उद्देश्य इसकी तत्परता की जांच करना, मिसाइल सैनिकों के मारक क्षमता परिचालन कौशल को बढ़ाना और देश की युद्ध निवारक क्षमता का मूल्यांकन करना था। केसीएनए के अनुसार किम जोंग ने कहा, 'आज के प्रक्षेपण अभ्यास के जरिए हम इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि राष्ट्रीय रक्षा के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण तकनीकी कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। हमें सैन्य साधनों, विशेष रूप से आक्रामक हथियार प्रणालियों को लगातार उन्नत करना होगा।' एक कारगर हाइपरसोनिक हथियार हासिल करने से उत्तर कोरिया को अमेरिका और दक्षिण कोरिया की मिसाइल रक्षा प्रणालियों को भेदने की क्षमता मिल जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में, उत्तर कोरिया ने इसे प्राप्त करने के लिए कई परीक्षण किए हैं, लेकिन कई विदेशी विशेषज्ञ इस बात पर संदेह जताते हैं कि परीक्षण की गई मिसाइलों ने उड़ान के दौरान वांछित गति और निशाना बदलने की क्षमता प्राप्त की है या नहीं। मिसाइल परीक्षण पर क्या बोले विशेषज्ञ? हाल के हफ्तों में उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की रणनीतिक क्रूज मिसाइलों और नई वायु-रोधी मिसाइलों का परीक्षण किया। उत्तर कोरिया ने अपनी पहली परमाणु-संचालित पनडुब्बी के निर्माण में हुई प्रगति को दर्शाने वाली तस्वीरें भी जारी कीं। पर्यवेक्षकों का कहना है कि उत्तर कोरिया का उद्देश्य सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के पांच वर्षों में होने वाले पहले सम्मेलन से पहले हथियार विकास क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन या समीक्षा करना है। सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या किम कांग्रेस का इस्तेमाल करके अमेरिका के साथ संबंधों पर एक नया दृष्टिकोण अपनाएंगे और लंबे समय से ठप पड़ी बातचीत को फिर से शुरू करेंगे। उत्तर कोरिया ने की वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की निंदा सोमवार को ली और शी के बीच होने वाले शिखर सम्मेलन में उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा होने की उम्मीद है।

नेपाल में भारत की सीमा से सटे दो कस्बों में हिंसा; पुलिस पर हुआ पथराव, थाने में की गई तोड़फोड़

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में भारतीय सीमा से सटे दो कस्बों में हिंसा की खबरें सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, इस दौरान पुलिस पर पथराव किया गया और थाने में तोड़फोड़ भी की गई। वहीं हिंदू विरोधी सामग्री सोशल मीडिया पर प्रसारित करने पर मस्जिद में की तोड़फोड़ खबर है। दक्षिणी नेपाल में भारतीय सीमा के नजदीक दो कस्बों में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक धार्मिक सामग्री प्रसारित किए जाने के बाद मस्जिद में तोड़फोड़ की गई। इसके विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोग हिंसक हो गए।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव व थाने में तोड़फोड़ की, जिसके बाद पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। हिंसा में सात पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। धनुषा जिले में तोड़फोड के बाद प्रदर्शन भारत के रक्सौल से सटे परसा जिले के बीरगंज कस्बे में शनिवार को धनुषा जिले की एक मस्जिद में तोड़फोड़ के विरोध में प्रदर्शन हुए। धनुषा पुलिस ने बताया कि टिकटॉक वीडियो पोस्ट करने व तोड़फोड़ में शामिल होने के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि दो युवकों ने सोशल मीडिया पर हिंदू विरोधी सामग्री प्रसारित की थी। इसके विरोध के दौरान धनुषा जिले के कमला नगरपालिका के सखुवा मारन इलाके में कुछ लोगों ने मस्जिद में तोड़फोड़ की। घटनाओं के विरोध में लोगों ने रविवार सुबह बीरगंज में टायर जलाकर प्रदर्शन किया। जेन-जी आंदोलन की जांच कर रही समिति ने पूर्व पीएम ओली को दिया।

'अमेरिकी हमले में 40 लोग मारे गए', वेनेजुएला ने पहली बार हताहतों की संख्या का किया खुलासा

कारकास (एजेंसी)। वेनेजुएला के एक अधिकारी ने पहली बार अमेरिकी हमले में मारे गए लोगों की संख्या का खुलासा किया है। नाम न बताने की शर्त पर वेनेजुएला के अधिकारी ने बताया कि मादुरो को बंधक बनाने के लिए चलाए गए अमेरिकी ऑपरेशन में कुल 40 लोग मारे गए हैं। अमेरिका की तरफ से वेनेजुएला पर किए गए हमले के बाद अब पहली बार जानमाल के नुकसान का आंकड़ा सामने आया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, वेनेजुएला के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया है कि शनिवार तड़के हुए अमेरिकी हमले में कम से कम 40 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में सैन्यकर्मी और आम नागरिक दोनों शामिल हैं। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी। अमेरिकी ऑपरेशन को लेकर ट्रंप ने किया ये दावा रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने वेनेजुएला पर बड़े पैमाने पर सैन्य हमला किया। इस कार्रवाई के दौरान राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को राजधानी कारकास से पकड़ लिया गया और देश से बाहर ले जाया गया। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा था कि इस ऑपरेशन में अमेरिका की तरफ कोई मौत नहीं हुई, सिर्फ कुछ सैनिक घायल हुए। ट्रंप ने इसे बेहद जटिल लेकिन सफल ऑपरेशन बताया और अमेरिकी सेना की जमकर तारीफ की। ट्रंप ने कहा, 'इतना जटिल ऑपरेशन होने के बावजूद हमारे पक्ष में कोई मौत नहीं होना वाकई हैरान करने वाला है। सेना का नेतृत्व और पेशेवर रवैया शानदार था।'

जनरल मामादी डूम्बूया का अगला राष्ट्रपति बनना तय, सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी जीत को बरकरार रखा

कोनाक्री (गिनी) (एजेंसी)। जनरल मामादी डूम्बूया का गिनी का अगला राष्ट्रपति बनना लगभग तय है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जीत को बरकार रखा है। विपक्ष के नेता येरो बाल्डे ने उनकी जीत को शीर्ष कोर्ट में चुनौती दी थी। गिनी के सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को जनरल मामादी डूम्बूया की चुनावी जीत को बरकरार रखा। इसके साथ ही गिनी में तख्तापलट करने के चार साल बाद उनका लोकतांत्रिक रूप से राष्ट्रपति के रूप में सत्ता में आना तय हो गया। चुनाव आयोग के मुताबिक, डूम्बूया ने 2021 के तख्तापलट के बाद हुए देश के पहले चुनाव में 86.7 फीसदी वोट हासिल किए। विश्लेषकों ने पहले

राजधानी कोनाक्री में उनकी जीत संभावना जताई थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि कर दी। रविवार देर रात अपने संबोधन में डूम्बूया ने कहा, आज न कोई विजेता है और न कोई हारने वाला। पूरा गिनी एक है, जो एकजुट और अटूट है। उन्होंने नागरिकों से शांतिपूर्ण, न्यायपूर्ण, साझा समृद्धि वाला और पूरी तरह से राजनीतिक व आर्थिक संप्रभुता वाला नया गिनी बनाने का आान किया। दूसरे नंबर पर रहे येरो बाल्डे ने दायर की थी याचिका दूसरे स्थान पर रहे येरो बाल्डे को 6.59 फीसदी वोट मिले। उन्होंने चुनाव आयोग पर डूम्बूया के पक्ष में नतीजों में हेरफेरी का आरोप लगाया था और याचिका दायर की थी। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से एक दिन पहले उन्होंने अपनी याचिका वापस ले ली थी। नए संविधान के तहत कराए गए चुनाव यह चुनाव नए संविधान के तहत 28 दिसंबर को कराया गया था, जिसमें सैन्य नेतृत्व के चुनाव लड़ने पर लगी रोक हटा दी गई और राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच साल से बढ़ाकर सात साल कर दिया गया। तख्तापलट के बाद राजनीतिक विरोधियों पर सख्ती आलोचकों का कहना है कि 2021 के तख्तापलट के बाद से डूम्बूया ने राजनीतिक विरोधियों पर सख्ती की है, जिसके कारण चुनाव में शामिल आठ अन्य उम्मीदवारों में से कोई भी बड़ा विपक्षी नहीं रह गया। कमजोर विपक्ष के कारण उभरे जनरल डूम्बूया पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी के राजनीतिक विश्लेषक एन फाली गुइलावोगुई ने कहा कि कमजोर विपक्ष के कारण मामादी डूम्बूया ही राज्य में स्थिरता सुनिश्चित करने वाले मुख्य नेता के रूप में उभरे। उन्होंने यह भी कहा कि गिनी के लोग अब इसका इंतजार कर रहे हैं कि वह राजनीतिक स्थिरता के लिए क्या कदम उठाते हैं। गरीबी का सामना कर रही आधे से ज्यादा आबादी विश्व खाद्य कार्यक्रम के मुताबिक, दुनिया का सबसे बड़ा बॉक्साइट निर्यातक होने और समृद्ध खनिज संसाधन होने के बावजूद गिनी की 1.5 करोड़ से अधिक आबादी में से आधे से ज्यादा लोग अत्यधिक गरीबी और खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं।

बांग्लादेश के हिंदू नेता का नामांकन रद्द, अब फैसले को चुनौती देने की तैयारी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश नेशनल हिंदू महाजोत के महासचिव गोबिंद चंद्र प्रमाणिक ने नामांकन रद्द किए जाने के फैसले को चुनौती देने का ऐलान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएनपी के दबाव में उनके समर्थकों को डराया गया, जिसके चलते उनका नामांकन खारिज हुआ। अब वे चुनाव आयोग के इस फैसले के खिलाफ अपील करेंगे। बांग्लादेश नेशनल हिंदू महाजोत के महासचिव गोबिंद चंद्र प्रमाणिक ने चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने की घोषणा की है। वह आगामी चुनावों के लिए अपना नामांकन पत्र रद्द करने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ अपील करेंगे। प्रमाणिक ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के गढ़ माने जाने वाले गोपालगंज-3 निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पर्चा भरा था। क्या बोले हिंदू नेता प्रमाणिक? चुनाव नियमों के मुताबिक, इस सीट

से निर्दलीय उम्मीदवार को कम से कम 3,086 मतदाताओं के हस्ताक्षर वाला सहमति पत्र जमा करना अनिवार्य है। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने जांच में पाया कि कई हस्ताक्षरों की पुष्टि नहीं हो सकी, जिसके कारण उनका नामांकन अमान्य घोषित कर दिया गया। चुनाव आयोग के इस फैसले पर एक समाचार एजेंसी से बात करते हुए प्रमाणिक ने कहा कि उन्हें प्रक्रिया में सुधार की उम्मीद है और वे इस फैसले के खिलाफ अपील करेंगे। हिंदू नेता ने लगाया था आरोप हालांकि इस पर प्रमाणिक ने एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए को बताया था कि उन्होंने असली हस्ताक्षर जमा किए थे, लेकिन 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' (बीएनपी) के कार्यकताओं ने उनके समर्थकों को डराया-धमकाया और अधिकारी के सामने यह झूठ बोलने पर मजबूर किया। इसके चलते उनका नमांकन रद्द हुआ। यह चुनावी घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय डर के साये में है और उन पर हमलों की खबरें लगातार आ रही हैं।

'दुनिया में मची उथल-पुथल, दादागिरी वाली कार्रवाई..'

वेनेजुएला का जिक्र कर जिनपिंग ने अमेरिका को सुनाया

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की टिप्पणियां वेनेजुएला में वॉशिंगटन की सैन्य कार्रवाइयों की आलोचना करते हुए बीजिंग के कड़े बयानों की श्रृंखला में नवीनतम कड़ी है। जिनपिंग ने कहा है कि इस तरह की एकतरफा कार्रवाईयों से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था कमजोर हो रही है। वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई के खिलाफ चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका पर सख्त टिप्पणी की है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बिना नाम लिए अमेरिका पर निशाना साधा और हिदायत भी दी। उन्होंने कहा कि प्रमुख शक्तियों को अन्य देशों के विकास पथ का सम्मान करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सोमवार को आयरलैंड के प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन से मुलाकात के दौरान ये टिप्पणियां की। शी जिनपिंग का बयान वॉशिंगटन की ओर से वेनेजुएला पर किए गए हमलों पर बीजिंग की पहले की आलोचना को और पुष्ट करता है।

'अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर कर रहीं दादागिरी वाली कार्रवाईयां', बोले जिनपिंग साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार शी जिनपिंग ने कहा, 'आज दुनिया एक सदी में अभूतपूर्व परिवर्तनों और उथल-पुथल से गुजर रही है, जिसमें एकतरफा और दादागिरी वाली कार्रवाईयों से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था गंभीर रूप से कमजोर हो रही है।' बयान के मुताबिक जिनपिंग ने कहा, 'सभी देशों को अन्य राष्ट्रों के लोगों की ओर से स्वतंत्र रूप से चुने गए विकास पथों का सम्मान करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। विशेष रूप से प्रमुख शक्तियों को ऐसा करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।' वेनेजुएला के तेल का सबसे बड़ा खरीदार है चीन वेनेजुएला का सबसे बड़ा तेल खरीदार चीन बार-बार कह चुका है कि वेनेजुएला को बाहरी दबाव के बिना अन्य देशों के साथ आर्थिक सहयोग करने का अधिकार है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।